कोटद्वार, गुरूवार
27 नवम्बर 2025
वर्षः 48
अंकः 192 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

जंगल में मिला अज्ञात वृद्ध का शव

रुद्रपुर। चकरपुर के जंगल में एक वृद्ध का शव बरामद होने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मोर्चरी में रखवा दिया है। मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो सकी है। ग्रामीणों के अनुसार वृद्ध मानसिक रूप से विक्षिप्त था और अक्सर क्षेत्र के विभिन्न गांवों में घूमता दिखाई देता था। चकरपुर पुलिस चौकी इंचार्ज विकास कुमार ने बताया कि कम्पार्टमेंट नंबर 7, सानिया नाले के पास जंगल में शव पड़े होने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंचकर देखा गया कि वृद्ध का शव काफी पुराना प्रतीत हो रहा था। शरीर पर किसी भी प्रकार के चोट के निशान नहीं मिले। मृतक के पास से एक बैग भी बरामद हुआ, लेकिन उसमें कोई पहचान पत्र नहीं मिला। फॉरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया है। बताया कि शव की शिनाख्त के प्रयास जारी हैं।

रामनगर में महिला पटवारी और कानूनगो से अभद्रता, दस्तावेज फाड़े

हल्द्वानी। ग्राम कंदला में जमीन के कब्जे के मामले की जांच करने गई महिला पटवारी और कानूनगो से अभद्रता और दस्तावेज फाड़ने का मामला सामने आया है। कानूनगो ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। आरोप है कि कब्जेदार ने महिला पटवारी और कानूनगो के साथ धक्का–मुक्की की। एसडीएम प्रमोद कुमार ने बताया कि ग्राम कंदला निवसी आशा रावत की जमीन पर एक व्यक्ति का कब्जा है। बुधवार को पटवारी पूनम और कानूनगो हरीश यादव मौके पर जाकर जमीन की जांच कर रहे थे। कब्जे को लेकर अभिलेखों के अनुसार नापजोख की जा रही थी। आरोप लगाया कि इसी दौरान एक व्यक्ति ने पटवारी और कानूनगो से अभद्रता कर दी। विरोध करने पर आरोपी धक्का–मुक्की करने लगा। वहीं पटवारी व कानूनगो के हाथों में मौजूद दस्तावेज को छीनकर आरोपी ने फाड़ दिया है। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को समझाया। एसडीएम ने बताया कि कानूनगो ने मामले की तहरीर दी है। मामले की जानकारी कोतवाल को दी गई है। सख्त कार्रवाई को कहा गया है। पटवारी और कानूनगो को दोबारा मौके पर जाने पर पुलिस फोर्स ले जाने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि कई समय से आरोपी ने महिला की जमीन कब्जे में ले रखी है। कोतवाल सुशील कुमार ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। जल्द ही मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

गैस सिलेंडर में धमाके से झुलसा व्यक्ति

ऋषिकेश। शांति नगर स्थित गली नंबर चार के एक घर में घरेलू गैस सिलेंडर में रिसाव से धमका हो गया। इसकी चपेट में आने से एक व्यक्ति को झुलस गया। स्थानीय लोगों की सूचना पर आपातकालीन 108 सेवा मौके पर पहुंची। झुलसे शख्स को सरकारी अस्पताल पहुंचाया। यहां व्यक्ति की गंभीर हालत को देखते हुए एम्स रेफर कर दिया गया। यह घटना बुधवार पूर्वान्ह करीब 11 बजे की है। 48 वर्षीय काली चरण घर की रसोई में चाय बनाने के लिए घुसे थे। जैसे ही उन्होंने लाइटर जलाया, तो अचानक घरेलू गैस सिलेंडर में धमाके से आग भड़क गई, जिसमें उनका चेहरा और शरीर के अन्य हिस्से झुलस गए। हादसा होते ही परिजनों ने तत्काल इसकी जानकारी आपाताकालीन 108 सेवा को दी। अस्पताल पहुंचाने के बाद इमरजेंसी में तैनात चिकित्सक और स्वास्थ्य कर्मियों ने काली चरण का आवश्यक उपचार किया। करीब 20 फीसदी झुलसे कालीचरण की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें एम्स ऋषिकेश रेफर कर दिया।

फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़

नोएडा ,नोएडा के थाना फेस–1 की पुलिस ने फर्जी कॉल सेंटर के जरिए बेरोजगार युवाओं से नौकरी दिलाने का झांसा देकर ठगी करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता हासिल की है। गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से भारी मात्रा में मोबाइल फोन, बैंकिंग दस्तावेज, फर्जी जॉइनिंग लेटर, एटीएम और सिम कार्ड बरामद किए गए हैं। पुलिस इस गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में जुट गई है। थाना फेस–1 पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई 24 नवंबर को मैनुअल इंटेलिजेंस और गोपनीय सूचना के आधार पर की गई।

मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद के नींव पर लगा ग्रहण

कथित मालिक ने प्रस्तावित मस्जिद की जमीन की घेराबंदी की

मुर्शिदाबाद । मुर्शिदाबाद में 6 दिसम्बर को बाबरी मस्जिद के नींव पर लगा ग्रहण लग गया है। जी हां, मुर्शिदाबाद में देश भर में तब चर्चा व विवादों में आ गया जब तृणमूल कांग्रेस विधायक हुमायूं कबीर द्वारा इसी 6 दिसम्बर को एक और कथित बाबरी मस्जिद के नींव रखने का ऐलान डंके की चोट पर किया। लेकिन अब पूरा मामला जमीन विवाद को लेकर एक अजीब मोड़ पर आ गया है। मुर्शिदाबाद के भरतपुर विधानसभा क्षेत्र से तृणमूल कांग्रेस विधायक हुमायूं कबीर द्वारा छह दिसंबर को बाबरी मस्जिद का शिलान्यास करने की घोषणा के बाद अब नया विवाद खड़ा हो गया है। जिस छह बीघा जमीन को विधायक ने मस्जिद निर्माण के लिए खरीदा हुआ बताया था, उस जमीन के कथित मालिक ने खुद मौके पर पहुंचकर उसे घेर दिया और साफ कहा कि उन्होंने यह जमीन किसी को बेची ही नहीं है। जमीन की घेराबंदी से पूरा मामला ही एक अलग मोड़ पर आ गया है। बेलडांगा में राष्ट्रीय राजमार्ग 12 के किनारे स्थित उस जमीन को मालिक निज़ामुद्दीन

चौधरी ने घेर दिया। उन्होंने कहा, "यह पूरी जमीन मेरी है। मैंने किसी को नहीं बेचा। अगर कोई कहता है कि उसने मुझसे खरीद ली है तो वह सरासर झूठ बोल रहा है।" निज़ामुद्दीन ने आगे कहा, "यह बाबरी मस्जिद एक विवादित मुद्दा है। इस भावनात्मक मुद्दे से खेल क्यों? पहले मुसलमानों के मौजूदा मस्जिदों की हालत सुधारी जाए। मैं इस जमीन पर मस्जिद के पक्ष में नहीं हूं।" उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पहले विधायक हुमायूं कबीर ने दावा किया था कि उन्होंने छह बीघा जमीन खरीद ली है और छह दिसंबर को बाबरी मस्जिद का शिलान्यास होगा। उन्होंने यह भी कहा था कि समारोह में लगभग दो लाख लोगों के आने की संभावना है, और मदीना, दिल्ली, मुंबई व कोलकाता से धर्मगुरु भी शामिल होंगे।

राजनीति में माता–पिता तक जाना सियासी संस्कारों के खिलाफ : हरीश रावत

देहरादून ,उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की तरफ से राहुल गांधी और उनके माता–पिता के संस्कारों पर उठाए गए सवाल पर कांग्रेस ने नाराजगी जताई है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि राजनीति में माता–पिता तक जाना सियासी संस्कारों के खिलाफ है। अगर आप किसी के मां–बाप तक जाते हैं तो आपको उनके प्रति आदर और संस्कार ही व्यक्त करना चाहिए। कांग्रेस नेता ने कहा कि पुष्कर सिंह धामी जिन लोगों के लिए ऐसे शब्दों का इस्तेमाल कर रहे हैं, उनका भारत की राजनीति में लंबा इतिहास है। राजनीतिक इतिहास में वो पुष्कर सिंह धामी से काफी आगे हैं।

ऐसे में उनको गांधी परिवार से सीखना चाहिए और हमेशा अपने राजनीतिक विरोधी का आदर करना चाहिए। वहीं, कांग्रेस नेता आलोक शर्मा ने कहा कि पुष्कर सिंह धामी एक संवैधानिक पद पर बैठे हैं, उनको बयान देने से पहले सोचना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और गांधी फैमिली ने हमेशा संस्कारों में बलिदान की बात की है। हमारे संस्कार बलिदानी के हैं।

शौर्य और बलिदान के लिए भारत का हर नागरिक गोरखा सैनिकों का आभारी : धामी

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बैरिस्टर अरि बहादुर गुरूंग की प्रतिमा का किया अनावरण

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को ऑल इंडिया गोरखा एक्स-सर्विसमेन्स वेलफेयर एसोसिएशन की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। स्व. हरबंश कपूर मैमोरियल सभागार, गढ़ी कैंट में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बैरिस्टर अरि बहादुर गुरूंग की प्रतिमा का अनावरण करने के साथ ही एसोसिएशन की स्मारिका का भी विमोचन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अमर वीर मेजर दुर्गा मल्ल के अद्वितीय शौर्य को भुला पाना असंभव है। इसी तरह परमवीर चक्र से सम्मानित धन सिंह थापा और आजाद भारत के प्रथम अशोक चक्र विजेता नर बहादुर थापा जैसे अनगिनत वीरों ने भारत माता की रक्षा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि बैरिस्टर अरि बहादुर गुरूंग ना सिर्फ एक सांसद थे, बल्कि उन्होंने भारतीय संविधान के निर्माण में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। कहा कि ये सिर्फ

एक संगठन का उत्सव नहीं है, बल्कि ये उस अदम्य साहस, समर्पण, राष्ट्रभक्ति और गौरवशाली परम्परा का उत्सव भी है, जिसे गोरखा सैनिकों ने सदियों से अपने पराक्रम से संजोया है। उन्होंने कहा कि गोरखा सैनिकों के पराक्रम और बलिदान की पहचान इस बात से होती है कि दुनिया की कोई भी युद्ध गाथा गोरखाओं के बिना पूर्ण नहीं मानी जाती। इसलिए भारत सरकार द्वारा ऑल इंडिया गोरखा एक्स-सर्विसमेन्स वेलफेयर एसोसिएशन को ऑल इंडिया स्टेटस प्रदान किया जाना इस समुदाय की प्रतिष्ठा और योगदान का सम्मान है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 75 वर्षों में एसोसिएशन ने ईमानदारी, पारदर्शिता और समर्पण के साथ अपनी भूमिका निभाई है। आज विभिन्न राज्यों में बसे लाखों गोरखा भूतपूर्व सैनिक, वीर नारी एवं उनके आश्रित इस संस्था के माध्यम से लाभान्वित हो रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि गोरखाओं के अदम्य साहस और वीरता की गाथाएं इतिहास के पन्नों में अंकित हैं। कहा जाता है कि ''जिस मैदान में गोरखा टिक गए, वहां दुश्मन कभी टिक नहीं पाया है''। गोरखा जवानों के लिए खुंखरी सिर्फ एक हथियार नहीं, बल्कि मातृभूमि की रक्षा का संकल्प भी है। गोरखा सैनिकों ने सदियों से देश की सीमाओं की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, इस शौर्य, बलिदान और राष्ट्र सेवा के लिए भारत का हर एक नागरिक आपका आभारी है। इस मौके पर सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी, विधायक श्रीमती सविता कपूर, सचिव केंद्रीय सैनिक कल्याण बोर्ड बिग्रेडियर डीएस बसेड़ा, ऑल इंडिया गोरखा एक्स-सर्विसमेन्स वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष कर्नल आरएस क्षेत्री, गोर्खाली सुधार सभा के अध्यक्ष पद्म सिंह थापा, ले.ज (रिटायर्ड) एके सिंह, ले.ज. (रिटायर्ड) रामसिंह प्रधान, मे.ज. (रिटायर्ड) सम्मी सब्बरवाल, मेजर (रिटायर्ड) बीएस थापा आदि मौजूद थे।

तलाक के साथ मांगे 50 करोड़, अभिनेत्री ने पति पर लगाए घरेलू हिंसा के आरोप

मुंबई ,बॉलीवुड एक्ट्रेस और पूर्व मिस इंडिया सेलिना जेटली ने अपने जीवन के सबसे कठिन दौर की कहानी साझा करते हुए इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट लिखा। इस पोस्ट में उन्होंने खुलकर बताया कि कैसे उन्होंने अकेले ही अपने परिवार और जीवन में आए तूफानों का सामना किया। सेलिना ने पोस्ट की शुरुआत दो शब्दों से की, 'साहसझ् और 'तलाकझ्। इसके आगे उन्होंने कैप्शन में लिखा, जीवन के सबसे कठिन और तूफानी समय के बीच मैंने कभी कल्पना नहीं की थी कि मुझे अकेले ही लड़ना पड़ेगा, बिना माता–पिता के, बिना किसी सहारे के। मैंने कभी नहीं सोचा था कि ऐसा दिन आएगा जब मेरे जीवन की छत के सारे स्तंभ, मेरे माता–पिता, मेरा भाई, मेरे बच्चे और वह व्यक्ति, जिसने हमेशा मेरे साथ खड़े रहने, मुझसे प्यार करने और हर कठिनाई में मेरे साथ होने का वादा किया था, साथ नहीं रहेंगे।

सेलिना ने लगाए ये गंभीर आरोप

47 साल की एक्टर ने दावा किया कि उनके पति ने उन्हें गंभीर इमोशनल,

फिजिकल, सेक्शुअल और वर्बल अब्यूज सहा है, जिसकी वजह से उन्हें ऑस्ट्रिया में अपना घर छोड़कर भारत लौटने के लिए मजबूर होना पड़ा। याचिका में कहा गया, रेस्पोंडेंट (हाग) एक नार्सिसिस्टिक, सेल्फ–एब्जॉर्ब्ड इंसान है। उसे गुस्सैल स्वभाव और शराब पीने की आदत है, जिससे एप्लीकेंट (जेटली) को लगातार स्ट्रेस होता रहा है।

उन्होंने लिखा, जीवन ने मुझसे सब कुछ छीन लिया और जिन पर मैंने भरोसा किया था, वे भी पीछे हट गए। जिन वादों पर मैंने विश्वास किया, वे चुपचाप टूट गए। लेकिन मैंने हार नहीं मानी और अपने अंदर उस महिला से मिली, जो कठिनाइयों के बावजूद कभी नहीं हारती। मैं एक सैनिक की बेटी हूंज् मेरा पालन पोषण साहस, अनुशासन, दृढ़ता, लचीलापन, जज्बा और आस्था के जरिए हुआ है। मुझे यह सिखाया गया कि जब दुनिया गिराने की कोशिश करे, तब उठना जरूरी होता है। जब दिल टूट रहा हो, तब लड़ना जरूरी होता है। जब अन्याय किया जाए, तब कोई क्षमा नहीं दिखानी चाहिए और जब लगता है कि जीना असंभव है, तब खुलकर जिंदगी जीनी चाहिए।

सेलिना ने बताया, मैंने अपने भाई, अपने बच्चों और अपनी गरिमा के लिए लड़ाई जारी रखी। परिवार और प्रियजनों की गैरमौजूदगी ने मुझे और मजबूत बना दिया। मैंने पति पीटर हाग के खिलाफ घरेलू हिंसा की शिकायत दर्ज करवाई है। उन्होंने आगे कहा कि मामला अदालत में विचाराधीन है, इसलिए इस समय मैं किसी भी प्रकार की टिप्पणी नहीं कर सकती।

राहुल गांधी मानहानि मामले की सुनवाई टली, अगली सुनवाई 8 दिसंबर को

सुल्तानपुर । राहुल गांधी से जुड़े मानहानि मामले की सुनवाई बुधवार को सुल्तानपुर की एमपी–एमएलए कोर्ट में टल गई। अधिवक्ता सुधांशु उपाध्याय के आकस्मिक निधन के कारण दीवानी न्यायालय में कंडोलेन्स हुआ, जिसके चलते सुनवाई नहीं हो सकी। अब इस मामले की अगली सुनवाई 8 दिसंबर 2025 को निर्धारित की गई है। राहुल गांधी के अधिवक्ता काशी प्रसाद शुक्ला ने बताया कि अधिवक्ता सुधांशु उपाध्याय के निधन के कारण अदालत में शोक सभा आयोजित की गई थी। इसी वजह से बुधवार को मामले की सुनवाई संभव नहीं हो पाई। यह मामला वर्ष 2018 का है। भाजपा नेता विजय मिश्रा ने राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया था।हनुमानगंज निवासी मिश्रा ने आरोप लगाया था कि 2018 के कर्नाटक चुनाव के दौरान राहुल गांधी ने तत्कालीन भाजपा अध्यक्ष और वर्तमान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर अभद्र टिप्पणी की थी। इस मामले में पांच साल तक अदालती कार्यवाही चली।

वैष्णो देवी मेडिकल कॉलेज विवाद : मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भाजपा पर साधा निशाना

नगरोटा ,मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने श्री माता वैष्णो देवी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल कॉलेज में मुस्लिम छात्रों के प्रवेश को लेकर उठे विवाद पर भाजपा को कठघरे में खड़ा किया है। मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि आस्था का सम्मान अपनी जगह है, लेकिन जब एक मेडिकल कॉलेज की स्थापना की जा रही थी, तो अगर उसे किसी विशेष समुदाय के लिए आरक्षित रखना था, तो उसे स्पष्ट रूप से माइनॉरिटी इंस्टीट्यूट का दर्जा दिया जाना चाहिए था।

उन्होंने कहा कि चिकित्सा शिक्षा संस्थानों में प्रवेश प्रक्रिया केवल नीट और अन्य एंट्रेंस परीक्षाओं के आधार पर होती है, न कि किसी छात्र के धर्म को देखकर। उन्होंने कहा कि अगर आप चाहते हैं कि वैष्णो देवी मेडिकल कॉलेज में मुसलमान बच्चे न पढ़ें, तो इसे माइनॉरिटी इंस्टीट्यूट घोषित कर दीजिए। उसके बाद आप यह मत कहिए कि मुस्लिम छात्र सांप्रदायिक हो रहे हैं।

उमर अब्दुल्ला ने आरोप लगाया कि कुछ लोग मजहबी आधार पर पढ़ाई को

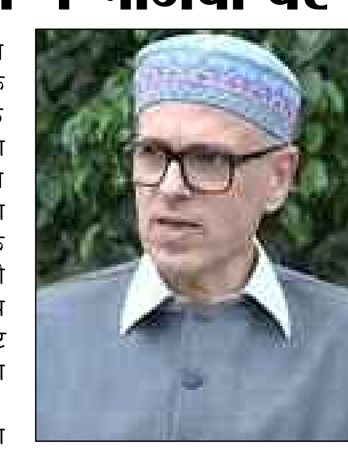

मुद्दा बनाकर माहौल खराब करने की कोशिश कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि माता वैष्णो देवी नाम होने से छात्रों को कोई आपत्ति नहीं है, क्योंकि बच्चों का लक्ष्य शिक्षा है, न कि संस्थान के नाम को लेकर किसी तरह का विवाद। उन्होंने कहा कि यदि बच्चों को धर्म के आधार पर रोका जाएगा और वे अन्य कॉलेजों की ओर रुख करेंगे, तो बाद में मुस्लिम समाज पर ही दोषारोपण किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि मुस्लिम बच्चों को इस तरह मत धकेलिए। अगर मुस्लिम छात्रों का प्रवेश रोकना ही है, तो संस्थान का स्टेटस बदलकर माइनॉरिटी कॉलेज कर दीजिए। हमारे बच्चे किसी और कॉलेज में पढ़ लेंगे।

इसी दौरान मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने नगरोटा में नए ऑटोमेटेड टेस्टिंग सेंटर के शुभारंभ पर भी विस्तार से बात की। उन्होंने कहा कि यदि इन सेंटरों की वजह से सड़क दुर्घटनाओं में एक भी जान बचती है, तो यह पहल सफल मानी जाएगी। उन्होंने बताया कि सड़क हादसों में कई जानें केवल इसलिए चली जाती हैं क्योंकि वाहन तकनीकी रूप से सड़क पर चलने लायक नहीं होते।

उन्होंने बताया कि सरकार ने पीपीपी मॉडल पर दो ऑटोमेटेड टेस्टिंग सेंटर स्थापित किए हैं, एक पंपोर में और दूसरा जम्मू के नगरोटा में। ये सेंटर पूरी तरह कंप्यूटरीकृत प्रणाली के माध्यम से वाहनों की फिटनेस जांच करेंगे। टेस्ट में फेल होने वाले वाहनों को सड़क पर चलने की अनुमति नहीं दी जाएगी, जिससे दुर्घटनाओं में कमी आने की उम्मीद है।

पंचतत्व मे विलीन हुए राज्य आंदोलनकारी एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री दिवाकर भट्ट

अंतिम दर्शन एवं शव यात्रा में उमड़ा जन सैलाब

हरिद्वार। उत्तराखंड राज्य आंदोलन के अग्रणी सेनानी एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री दिवाकर भट्ट जी के निधन पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए जनपद हरिद्वार सभी सरकारी कार्यालय में अवकाश रखने का आदेश जारी किए गए। मुख्यमंत्री की ओर से दिवंगत नेता के प्राथिव शरीर पर जिलाधिकारी मयूर दीक्षित एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेंद्र सिंह डोभाल ने पुष्पचक्र अर्पित कर उन्हें नमन करते हुए अंतिम विधाई दी। श्री भट्ट को गार्ड ऑफ ऑनर के साथ अंतिम सलामी दी गई तथा राजकीय सम्मान के साथ उनका दाह संस्कार 02 बजे खड़खड़ी शमशान घाट पर किया गया तथा श्री भट्ट को उनके पुत्र ललित भट्ट ने मुख्याग्नि दी।इस अवसर पर दिवंगत नेता श्री दिवाकर भट्ट जी की अंतिम दर्शन एवं अंतिम यात्रा में विभिन्न

जनपदों से जनप्रतिनिधि,विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी सहित आम लोग शव यात्रा में शामिल रहे। इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री रमेश पोखरियाल निशंक,पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत, विधायक हरिद्वार मदन कौशिक,विधायक रानीपुर आदेश चौहान,विधायक ज्वालापुर रवि बहादुर, विधायक लक्सर मोहम्मद शहजाद, विधायक मुन्ना सिंह चौहान,जिलाध्यक्ष भाजपा आशुतोष शर्मा,पूर्व कैबिनेट मंत्री हरक सिंह रावत,पूर्व मंत्री प्रीतम सिंह पंवार,मंत्री पार्षद नैथानी,गणेश गोदियाल,यूकेडी अध्यक्ष सुरेंद्र कुकरेती, पूर्व अध्यक्ष यूकेडी काशी सिंह एरी,पूर्व दर्जधारी मंत्री महेंद्र प्रताप,एसपी सिटी अभय प्रताप सिंह,सिटी मजिस्ट्रेट कुश्म चौहान सहित भारी संख्या में जन समूह मौजूद रहा ।

अमृतसर में भारत–पाक बॉर्डर से 2 आतंकी गिरफ्तार

अमृतसर , पंजाब के अमृतसर देहात पुलिस ने भारत–पाक सीमा के पास दो सगे भाइयों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से करीब ढाई किलो का आडीएस बरामद हुआ है।

कार्रवाई खुफिया इनपुट के बाद की गई, जिसमें जानकारी मिली थी कि दिल्ली धमाके के बाद भारतीय क्षेत्र में फिर से विस्फोटक भेजने की कोशिश कर रही है। रमदास, अजनाला और घरिंडा में बढ़ाई गई नाकाबंदी के दौरान आरोपी युवराज और आकाशदीप मोटरसाइकिल लेने निकले थे, लेकिन घने कोहरे के बीच पकड़ लिए गए। तलाशी में बैग मिला। पुलिस उनसे पूछताछ कर मॉड्यूल के अन्य सदस्यों की तलाश कर रही है। सूचना के अनुसार, सीमा के निकट छिपाया गया था, जिसे लेने दोनों आरोपी निकले थे। पुलिस ने उन्हें रुकने का संकेत दिया तो वे भागने लगे, लेकिन पीछा कर गिरफ्तार कर लिया गया।

भारत को 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनने के लिए समय पर सिस्टम का मॉडर्नाइजेशन जरूरी : वित्त मंत्री

नई दिल्ली , केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के अनुसार, भारत को 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनने के लिए समय पर सिस्टम का मॉडर्नाइजेशन और प्रक्रियाओं को सरल बनाना होगा। वित्त मंत्री ने कहा कि आज का समय गवर्नेंस का है और कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय (एमसीए) के सिद्धांतों को गवर्नेंस को आसान और ट्रांसपेरेंट बनाने का काम करना चाहिए। साथ ही इन सिद्धांतों का फोकस फैसिलिटेशन पर होना चाहिए।

वित्त मंत्री ने रीजनल डायरेक्टरेट और रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज की रिव्यू मीटिंग में कहा, कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय को भविष्य–उन्मुख बनाना चाहिए ताकि स्टेकहोल्डर्स को टाइम–बाउंड तरीके से सर्विस दी जा सके। इस रिव्यू मीटिंग में कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय में केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा, एमसीए के

सेक्रेटरी और सीनियर अधिकारी मौजूद थे। वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय बदलते समय के साथ कानूनों और नियमों में जरूरी बदलाव किए हैं। उन्होंने कहा कि इन्सॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी बोर्ड रिफॉर्म–ड्रिवन लॉ का ही एक उदाहरण है। बदलते भारत की जरूरतों के प्रति सिस्टम जिम्मेदार हों, इसके लिए इस तरह के बदलाव जरूरी होते हैं।

पाकिस्तान में गायब हुए इमरान खान?

21 दिन से नहीं मिल पा रहीं बहनें, जेल में सेहत बिगड़ने की अफवाहों से हड़कंप

इस्लामाबाद ,पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की सुरक्षा और सेहत को लेकर रहस्य गहराता जा रहा है। रावलपिंडी की अदियाला जेल में बंद इमरान खान को लेकर मुल्क में तरह–तरह की अफवाहें उड़ रही हैं कि उनकी तबीयत ठीक नहीं है। चिंता की बात यह है कि पिछले 21 दिनों से उनकी तीन बहनों और वकीलों को उनसे मिलने नहीं दिया गया है। कोर्ट से स्पष्ट अनुमति होने के बावजूद जेल प्रशासन ने मुलाकात पर रोक लगा रखी है, जिसके चलते अब उनके परिवार और समर्थकों में भारी आक्रोश है। इमरान की बहनों का आरोप है कि प्रशासन उनके भाई के ठिकाने और उनकी वास्तविक सेहत के बारे में कोई

आधिकारिक जानकारी नहीं दे रहा है, जिससे अनहोनी की आशंका बढ़ गई है। इमरान खान की बहन नौरीन ने इस मामले में पंजाब प्रांत के आईजी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने अदियाला जेल के बाहर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे लोगों पर पुलिस द्वारा किए गए 'बेरहमी से हमलेझ् को लेकर आईजी को औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है। बहनों का कहना है कि उन्हें अपने भाई की सलामती की खबर तक नहीं मिल पा रही है और प्रशासन जानबूझकर उन्हें अंधेरे में रख रहा है। तीन हफ्ते बीत जाने के बाद भी कोई संपर्क न हो पाने के कारण पाकिस्तान की राजनीति में हलचल तेज हो गई है और पीटीआई समर्थकों का गुस्सा सातवें आसमान पर है। गौरतलब है कि क्रिकेटर से राजनेता बने इमरान खान अगस्त 2023 से रावलपिंडी की अदियाला जेल में कैद हैं। उनकी गिरफ्तारी नेशनल अकाउंटेबिलिटी ब्यूरो ने अल–कादिर ट्रस्ट मामले में कथित भ्रष्टाचार के आरोपों के तहत की थी। उन पर आरोप है कि उन्होंने अपनी पत्नी बुशरा बीवी के साथ मिलकर रियल एस्टेट टायकून मलिक रियाज हुसैन से ट्रस्ट के नाम पर 60 एकड़ जमीन दान में ली थी, जिससे सरकारी खजाने को करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ।

मुंबई एयरपोर्ट पर फर्जी पासपोर्ट के साथ नेपाली युवती गिरफ्तार

मुंबई ,मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे पर इमिग्रेशन विभाग ने एक बड़ी फर्जीवाड़े का पर्दाफाश किया, जब एक नेपाली युवती भारतीय पासपोर्ट के साथ ओमान भागने की कोशिश कर रही थी। इमिग्रेशन अधिकारियों ने उसे गिरफ्तार कर लिया। यह घटना उस समय सामने आई जब काजल नाम की युवती मस्कत (ओमान) जाने वाली उड़ान 6ई 1267 में सवार होने के लिए इमिग्रेशन काउंटर पर पहुंची। काउंटर पर तैनात इमिग्रेशन ऑफिसर रुचि रुपेश धोमकर को युवती का व्यवहार और दस्तावेज संदिग्ध लगे। पासपोर्ट में उसका जन्मस्थान नौहरा, हिमाचल प्रदेश दर्ज था, लेकिन बातचीत और हाव–भाव से वह नेपाली नागरिक प्रतीत हो रही थी। शक के आधार पर उसे आगे की जांच के लिए इमिग्रेशन विंग के इंचार्ज के पास भेजा गया।

डिफेंस इनोवेशन के सुनहरे दौर में भारत : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली , रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने नई दिल्ली में इंडियन नेवी के स्वावलंबन सेमिनार के चौथे एडिशन के दौरान स्टार्ट–अप्स, एमएसएमई, एकेडेमिया, इंडस्ट्री पार्टनर्स और वेंचर कैपिटलिस्ट्स को संबोधित किया। उन्हों ने कहा कि भारत डिफेंस इनोवेशन के सुनहरे दौर में जा रहा है, और इसकी नींव हमारे इनोवेटर्स और युवा एंटरप्रेन्योर्स रख रहे हैं। ये इकोनॉमिक ताकत, स्ट्रेटेजिक सोच और टेक्नोलॉजिकल एडवांसमेंट को जोड़ रहे हैं। उन्होंमने तेजी से बदलती दुनिया और लगातार बदलते जियोपॉलिटिकल माहौल में भारत को भविष्य के लिए तैयार रहने की जरूरत पर कहा कि भारत रिएक्टिव नजरिया नहीं अपना सकता

है। उन्होंने इनोवेटर्स को नए समाधान लाने और देश को सिर्फ खरीदार नहीं बल्कि एक बिल्डर, क्रिएटर और लीडर के तौर पर उभरने में मदद करने का क्रेडिट दिया। रक्षा मंत्री ने कहा कि आज देश में स्वदेशीकरण का आंदोलन देखा जा रहा है। यह सिर्फ पॉलिसी की वजह से नहीं है। यह सभी स्टेकहोल्डर्स की कड़ी मेहनत की वजह से है, और इसी का नतीजा है कि भारत एक इंपोर्टर से टेक्नोलॉजी एक्सपोर्टर बनने की दिशा में बड़े कदम उठा रहा है। उन्होंने कहा कि नेवी के साथ हमारे इनोवेटर्स के योगदान की वजह से भारत आज एक समुद्री ताकत के तौर पर उभर रहा है। राजनाथ सिंह ने रक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में नए आयामों के उभरने पर विचार साझा करते हुए प्राइवेट सेक्टर से प्रॉफिट–प्लस नजरिया अपनाने और ऐसे प्लेटफॉर्म और सिस्टम बनाने की अपील की, जो भारत पर दुनिया के भरोसे का प्रतीक बनें।

सम्पादकीय

कांग्रेस को अब आत्ममंथन की ज़रूरत नहीं

कांग्रेस को अब आत्ममंथन की ज़रूरत नहीं है बल्कि कायाकल्प याकि राजनीतिक पुनर्जन्म, या फिर एक शांत, गरिमापूर्ण राजनैतिक मौत की जरूरत है। लोकसभा चुनावों को डेढ़ वर्ष बीते हैं। और इस दौरान कांग्रेस हरियाणा, महाराष्ट्र, दिल्ली तथा अब बिहार में हारी है। 'हारइ कहना भी नरम शब्दों में बात रखना है। ग्यारह वर्षों से यह पार्टी सिफ़र्ं हार ही नहीं रही है; वह धीरे–धीरे सड़ और गल भी रही है। फिर भी, गांधी परिवार ने बुजुर्ग मल्लिकार्जुन खड़गे जैसे खंडहरों का रखवाला बनाकर हकीकत को नकारा हुआ है। मानों जैसे कांग्रेस के कैलेंडर में अभी भी वर्ष 2004 दर्ज हो। राहुल गांधी और उनके इनर सर्कल (यदि कोई है तो) की मौजूदा तेज, फुर्तीली, स्पर्धात्मक दुनिया में ले दे कर मैराथन दौड़ वाली चाल हैं–धीमे, गंभीर, शायद नैतिक, लेकिन वक्त के साथ पूरी तरह बेमेल। इसलिए क्योंकि समय स्प्रिंट का है जबकि कांग्रेस अपनी ही थकाऊ लय में दबी पड़ी है। बिहार में जो हुआ, वह सिफ़र्ं चुनावी गणित या किसी गठबंधन की टिकाऊशक्ति का कमाल नहीं है। यह उस राजनीतिक समय, संस्कृति का प्रमाण है जिसे भाजपा ने साधा हुआ है और कांग्रेस जिसे अब भी समझ नहीं पा रही। नरेंद्र मोदी भाजपा मतदाताओं से बीते कल को याद करने की अपील नहीं करते; वह उन्हें भविष्य की कल्पना करने को कहते है–चाहे वह विवादित हो, असमान हो, जोखिमभरी हो। इसके उलट कांग्रेस अब भी एक मुक्तिकार की भाषा बोलती है–जैसे भारत उसके इंतज़ार में बैठा हो और वही आकर उसे बचाएगी। लोकसभा 2024 के समय राजनीतिक विमर्श में एक दरार थी। लेकिन दरारें खुद–ब–खुद क्रांतियाँ नहीं बनतीं। उन्हें ढांचा चाहिए, निरंतरता चाहिए, और उसे ऐसे विपक्ष की ज़रूरत होती है जो यह जानता हो कि वह वर्तमान को किस भविष्य से बदलना चाहता है, न कि केवल किसे हटाना है। यहीं पर कांग्रेस कमज़ोर पड़ती है–उसके पास भविष्य की कोई थ्योरी, कोई नारा, कोई झांसा भी नहीं है। एक दशक से राहुल गांधी खुद को भारतीय गणराज्य, संविधान के संरक्षक, संस्थाओं के प्रहरी की तरह प्रस्तुत करते आ रहे हैं। जबकि अब वह पीढ़ी है, वह भीड़ है जो डेटा लीक, एग्ज़ाम स्कैम, घटते रोज़गार, और कमजोर इंटरनेट में बफरिंग करती लोकतंत्र के बीच पली है–वह संरक्षकों पर भरोसा नहीं करती। उसे न व्यवस्था के चौकीदार चाहिए, न अतीत की नैतिकता दोहराने वाले नेता। यह पीढी भीड के शौर को साधने वाले कोरियोग्राफर चाहती है–जो पहले से घूमती दुनिया को दिशा दे सके। यह पीढ़ी सिफ़र्ं ईमानदार, उजले, सफेद टी–शर्ट में सिद्धांतों की बात करने वाले नेता से प्रभावित नहीं होती। वह एक ऐसा हीरो चाहती है जो मंच पर खून–पसीना बहाता दिखे, जो शक्ति को सिर्फ वादा नहीं, प्रदर्शन, लीला के रूप में पेश करे। उसे जिम में बंद दरवाज़ों के पीछे किए गए पुश–अप्स नहीं, बल्कि राजनीति के केंद्र–मंच पर ऊँची किक मारता, मीम–रेडी, लाइव–टेलीविज़्ड योद्धा, हुंकारा मारने वाला नेता चाहिए। जबकि राजनीति के इस एड्रेनालिन बाज़ार में कांग्रेस अब भी ज़मीर, नैतिकता बेचने निकली है। एक ऐसी पीढ़ी के बीच जो तमाशा खरीदने को प्रशिक्षित हो चुकी है। जबकि प्रधानमंत्री मोदी, अपने तमाम विरोधाभासों के बावजूद, अब भी परिवर्तन के वोल्टेज में बाते और संवाद करते हैं। वही राहुल गांधी संविधान की किताब दिखाते है। बिहार के नतीजों ने यह बात और दुखद रूप से साफ कर दी। नेपाल की युवा बगावत के बाद राहुल गांधी ऐसे बोले जैसे त्रद्दट्ठं किसी मानसूनी तूफ़ान की तरह भारतीय राजनीति में प्रवेश कर चुका हो। अचानक उन्हें लगने लगा कि वोट चोरी इस बेचैन पीढ़ी का नया राष्ट्रगान है। लेकिन सच्चाई अलग ही थी, तभी समझ नहीं आता उन्हें कौन सलाह दे रहा है? पटना या पूर्णिया में हॉस्टल के बरामदों में बैठे, या चाय–स्टॉल पर रील्स स्क्रॉल करते युवाओं में कितने लोग सोच रहे हैं कि यह चुनाव ईवीएम साज़िश पर टिका है? जेन जेड तो यह मानकर चलता है कि पूरा गेम ही पहले से रिग्ड है।

आत्मनिर्भर भारत के लिए श्रम सुधार

डॉ. मनसुख मांडविया

कई दशकों तक भारत कमज़ोर आर्थिक विकास, गहरे भ्रष्टाचार और रोज़गार सृजन व श्रमिक कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता के अभाव से जूझता रहा। राजनीतिक उद्देश्यों से होने वाले घेराव और बंदी ने बार–बार औद्योगिक गतिविधियों को बाधित किया, निवेश को रोका और व्यवस्था में विश्वास को कम किया। यह दुख की बात है कि पिछली सरकारों ने श्रमिक कल्याण को केवल नारों तक सीमित कर दिया और श्रमिकों के वास्तविक मुद्दों को गंभीरता से लेने में विफल रहीं।

इस जड़ता को तोड़ने के लिए देश के नेतृत्व में एक बड़ा बदलाव जरूरी था। लाल किले से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'श्रमेव जयतेइ का आह्वान किया और कहा कि भारत की विकास यात्रा के केंद्र में श्रम की गरिमा यानी मजदूरों का सम्मान होना चाहिए। यह केवल एक नारा नहीं था, बल्कि एक नई राष्ट्रीय सोच की शुरुआत थी, जिसमें नीतियां बनाते समय श्रमिकों को केंद्र में रखा गया।

ऐसे बदलाव की जरूरत बहुत समय से महसूस की जा रही थी। भारत के ज़्यादातर श्रम कानून 1920 से 1950 के बीच बने थे और उनमें औपनिवेशिक सोच की झलक रहती थी। दूसरी ओर, दुनिया में काम करने का तरीका पूरी तरह बदल चुका था। गिग और प्लेटफ़ॉर्म अर्थव्यवस्था का बढ़ना, डिजिटल कामकाज, लचीली कार्य संरचनाएं और नए प्रकार के उद्यम तेजी से उभर रहे थे। लेकिन भारत के पुराने श्रम कानून समय के साथ नहीं बदले, और आधुनिक कार्यबल या प्रतिस्पर्धी अर्थव्यवस्था की जरूरतों को पूरा नहीं कर पा रहे थे।

एक बार फिर प्रधानमंत्री मोदी ने अपने पंच प्रण के माध्यम से यह संदेश दिया कि हमें औपनिवेशिक मानसिकता छोड़कर भविष्य की जरूरतों के अनुसार आगे बढ़ना चाहिए। पुराने कानून इसलिए नहीं बने रहे क्योंकि वे अच्छे थे, बल्कि इसलिए क्योंकि पिछली सरकारों में उन्हें बदलने का राजनीतिक साहस, इच्छा शक्ति और दूरदृष्टि की कमी थी। बदलती परिस्थितियों और देश की जरूरतों के अनुसार उन्हें आधुनिक बनाने की हिम्मत किसी ने नहीं दिखाई।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, भारत का वैश्विक कद अभूतपूर्व उंचाइयों पर पहुंच गया है। दुनिया मानती है कि भारत अब भविष्य को आकार देने में केवल भाग नहीं ले रहा है, बल्कि उसे परिभाषित करने में भी मदद कर रहा है। लेकिन इस ऐतिहासिक क्षण का सही अर्थों में लाभ उठाने और संभावनाओं को दीर्घकालिक समृद्धि में बदलने के लिए, भारत औपनिवेशिक काल के उस श्रम ढांचे से बंधा नहीं रह सकता जो सशक्तिकरण के बजाय नियंत्रण के लिए बनाया गया था।

इसलिए, बड़े पैमाने पर रोज़गार सृजन, औपचारिकता का विस्तार और सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक व्यापक बदलाव आवश्यक था। इस राष्ट्रीय आवश्यकता को समझते हुए, मोदी सरकार ने स्वतंत्र भारत के सबसे महत्वपूर्ण सुधारों में से एक को लागू किया। पहले के 29 बिखरे हुए श्रम कानूनों को मिलाकर चार सरल और स्पष्ट श्रम संहिताएं बनाई गईं : वेतन संहिता, औद्योगिक संबंध संहिता, सामाजिक सुरक्षा संहिता और व व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्यदशा संहिता।

21 नवंबर 2025 को ये श्रम संहिताएं लागू हो गईं। ये संहिताएं मिलकर एक आधुनिक श्रम ढांचा स्थापित करती हैं, जो श्रमिक–समर्थक और विकास–समर्थक दोनों है, और यह दिखाता है कि भारत अब तेजी से बदलती वैश्विक अर्थव्यवस्था की मांगों को पूरा करने के लिए तैयार है।

संसद द्वारा 2019 और 2020 में श्रम संहिताओं को पारित किया गया था, कई राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों, श्रमिक संघों और उद्योग निकायों ने उनके प्रगतिशील इरादे का स्वागत किया है। उनकी खूबियों को पहचानते हुए, सभी

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, भारत का वैश्विक कद अभूतपूर्व उंचाइयों पर पहुंच गया है। दुनिया मानती है कि भारत अब भविष्य को आकार देने में केवल भाग नहीं ले रहा है, बल्कि उसे परिभाषित करने में भी मदद कर रहा है। लेकिन इस ऐतिहासिक क्षण का सही अर्थों में लाभ उठाने और संभावनाओं को दीर्घकालिक समृद्धि में बदलने के लिए, भारत औपनिवेशिक काल के उस श्रम ढांचे से बंधा नहीं रह सकता जो सशक्तिकरण के बजाय नियंत्रण के लिए बनाया गया था। इसलिए, बड़े पैमाने पर रोज़गार सृजन, औपचारिकता का विस्तार और सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक व्यापक बदलाव आवश्यक था। इस राष्ट्रीय आवश्यकता को समझते हुए, मोदी सरकार ने स्वतंत्र भारत के सबसे महत्वपूर्ण सुधारों में से एक को लागू किया। पहले के 29 बिखरे हुए श्रम कानूनों को मिलाकर चार सरल और स्पष्ट श्रम संहिताएं बनाई गईं : वेतन संहिता, औद्योगिक संबंध संहिता, सामाजिक सुरक्षा संहिता और व व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्यदशा संहिता।

राजनीतिक दलों के राज्यों ने संहिताओं के अनुसार से अपने श्रम कानूनों में बदलाव किए। उदाहरण के लिए, जिन राज्यों ने महिलाओं को उनकी सहमति और पर्याप्त सुरक्षा उपायों के साथ रात में काम करने की अनुमति दी है, वहाँ कुल महिला रोजगार में 13 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

सभी क्षेत्रों के स्टेकहोल्डर्स ने एक पुरानी हो चुकी श्रम प्रणाली से आगे बढ़ने की आवश्यकता को पहचाना है। उनके योगदान ने एक संतुलित ढाँचा तैयार करने में मदद की है जो श्रमिकों की सुरक्षा करता है और साथ ही अर्थव्यवस्था को विकसित होने में भी सक्षम बनाता है।

श्रमिकों और इंडस्ट्री लीडर्स के साथ मेरी बातचीत में जो बात हमेशा सामने आई है वह कार्यस्थल पर स्पष्टता, निष्पक्षता और सम्मान की आवश्यकता पर बल देती है। इसी मार्गदर्शक सिद्धांत ने हमारे सुधारों को आकार दिया है, जिसने एक जटिल और बिखरे हुए सिस्टम को एक ऐसे सिस्टम से बदल दिया है जो सरल, पारदर्शी और हर श्रमिक की सुरक्षा करने वाला है।

श्रम संहिताएं अपने मूलभाव और अक्षरशः रूप में, नियोक्ताओं की अपेक्षाओं को संतुलित करते हुए श्रमिकों के हितों को प्राथमिकता देती हैं। वे निवारक स्वास्थ्य देखभाल को बढ़ावा देती हैं और सामाजिक सुरक्षा का विस्तार करती हैं। ये संहिताएं ऑडियो–विजुअल श्रमिकों और गिग तथा प्लेटफॉर्म श्रमिकों को औपचारिक मान्यता प्रदान करती हैं। ये अखिल भारतीय ईएसआईसी कवरेज को सक्षम बनाती हैं, 40 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी श्रमिकों के लिए वार्षिक स्वास्थ्य जांच अनिवार्य करती हैं, जिनमें पहले बाहर रखे गए बागान श्रमिक भी शामिल हैं।

साथ ही, ये राज्यों में असमानताओं को कम करने के लिए सभी श्रमिकों के लिए वैधानिक न्यूनतम वेतन की गारंटी देती हैं। अनिवार्य नियुक्ति पत्र, पक्की पे स्लिप और सवेतन वार्षिक अवकाश जैसे प्रावधान हर श्रमिक को अधिक स्थिरता, सम्मान और सुरक्षा प्रदान करते हैं।

कॉन्ट्रैक्ट आधारित रोज़गार के एक प्रगतिशील विकल्प के रूप में, संहिताओं में फिक्स्ड टर्म एम्प्लॉयमेंट (एफटीई) यानी निश्चित अवधि के रोजगार की शुरुआत की गई है। एफटीई के तहत, एक निश्चित अवधि के लिए नियोजित श्रमिकों को स्थायी कर्मचारियों के समान ही वेतन, लाभ और काम करने की स्थितियाँ प्राप्त होती हैं, जिनमें सवेतन अवकाश, काम के तय घंटे, चिकित्सा सुविधाएँ, सामाजिक सुरक्षा और अन्य वैधानिक सुरक्षाएँ शामिल हैं। विशेष रूप से, एफटीई कर्मचारी केवल एक वर्ष की निरंतर सेवा के बाद ही ग्रेच्युटी के लिए पात्र हो जाते हैं।

संहिताएँ आधुनिक कार्यस्थलों की वास्तविकताओं को भी स्वीकार करती हैं। यदि कोई कर्मचारी स्वेच्छा से मानक घंटों से अधिक काम करना चुनता है, तो उसे ओवरटाइम के लिए नॉर्मल सैलरी रेट से दोगुना पैसा मिलना चाहिए, जिससे हर परिस्थिति में निष्पक्षता सुनिश्चित हो सके।

नारी शक्ति इन सुधारों का एक केंद्रीय स्तंभ है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास के दृष्टिकोण से निर्देशित, ये संहिताएँ महिलाओं के लिए विभिन्न क्षेत्रों में शामिल होने के नए रास्ते खोलती हैं–जिनमें अंडरग्राउंड खदानों, भारी मशीनरी और नाइट शिफ्ट में काम करना शामिल हैं–बशर्ते इस पर उनकी सहमति हो और मजबूत सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू हों।

इसके साथ ही, संहिताएँ सिंगल रजिस्ट्रेशन, सिंगल लाइसेंस और सिंगल रिटर्न फाइलिंग की शुरुआत करके नियोक्ताओं पर कम्प्लायंस के बोझ को काफी कम करती हैं। यह सरलीकरण उद्योगों को पूरे भारत में अपनी यूनिट्स का विस्तार करने और स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित करेगा, जिससे स्थानीय रोजगार को बढ़ावा मिलेगा।

भारत की सामाजिक सुरक्षा 2015 में 19 प्रतिशत से बढ़कर 2025 में 64.3 प्रतिशत होने की विश्?व में प्रशंसा हुई है। अंतर्राष?ट्रीय श्रम संगठन ने भारत की प्रयासों को माना है, जबकि अंतर्राष?ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संघ ने सामाजिक सुरक्षा में बेहतरीन काम के लिए भारत को पुरस्?कार प्रदान किया है। इन अंतर्राष?ट्रीय संगठनों ने भी नई श्रम संहिता को आधुनिक, प्रगतिशील और श्रमिकों के अनुकूल बताया है।

इन दूरगामी लाभों के बावजूद, यह स?पष?ट है कि ज़्यादातर आलोचना सुधारों की समझ से नहीं, बल्कि उन मज़बूत राजनीतिक हितों से होती है जो बदलाव नहीं चाहते हैं। जो लोग असर के लिए पुराने और अस?पष?ट ०?यवस?था पर भरोसा करते थे, वे अब एक पारदर्शी, कुशल और श्रमिक–केंद्रित ढांचे से सहज नहीं हैं। इन संहिताओं से आए अच्छे बदलाव को मानने के बजाय, उन्होंने भ्रामक जानकारी फैलाना चुना है।

यह श्रम संहिता भारत के आत्मनिर्भर और विकसित भारत बनने की राह में एक बड़ा बदलाव लाने वाला पड़ाव हैं। ये श्रमिक की गरिमा बनाए रखते हैं, औद्योगिक विकास को प्रोत्साहित करते हैं और एक ऐसा मॉडल बनाते हैं जहां श्रमिकों के अधिकार और सम्मान की रक्षा होती है तथा श्रमिकों को आत्मनिर्भरता बनाते हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्?द्र मोदी के विजन और सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास के प्रति प्रतिबद्धता से निर्देशित, ये श्रम सुधार एक आधुनिक, लचीली और समावेशी अर्थव्यवस्था की मजबूत नींव रखते हैं जो श्रमिकों और उद्यमों दोनों को भारत के विकास के केंद्र में रखते हैं।

श्रमेव जयते!

जनादेश 'अच्छे दिनों का प्रमाण

हरिशंकर व्यास

एक के बाद एक चुनावी जीत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार और राजनीति को वह निरंतरता दी हुई है, जिसका हिसाब से यह नैरेटिव बनना चाहिए कि मोदी सरकार का काम बोल रहा है। जनादेश 'अच्छे दिनोंइ का प्रमाण है। पर क्या चुनाव नतीजों की चर्चा में इस तरह की कोई पुण्यता है? जबकि नैरेटिव और मीडिया पूरी तरह सत्ता के कहने में है। बावजूद इसके 'अच्छे दिनोंइ की दुहाई देने का किसी के भी पास वह आधार नहीं है, जिससे सचमुच लगे कि चुनावी जीत 'अच्छे दिनइ की बदौलत है। बिहार में लालकिले के आगे यदि विस्फोट की गूंज थी तो मेरा मानना है वह तो असुरक्षा, चिंता और भय की था न कि अच्छी फीलिंग।

चुनाव प्रचार में प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह व भाजपा, एनडीए का प्रमुख सुर लोगों को लालू यादव का जंगल राज याद कराना था। या घुसपैठियों को निकाल बाहर करने व हिंदू–मुस्लिम नैरेटिव को सुलगाना। ऑपरेशन सिंदूर हो या राहुल गांधी को पप्पू बताने से लेकर माता जानकी मंदिर बनाने की तमाम वे बातें थीं, जिनका मतदाता की रोजमर्रा की जिंदगी से नाता नहीं है। फिर भी नीतीश–भाजपा के एनडीए एलायंस की छप्पर फाड़ जीत है। इसलिए यह बहुत जल्द वैसे ही बासी हो जाएगी जैसे महाराष्ट्र, हरियाणा की चुनावी विजय का हस्त्र है। दस–पंद्रह दिन बाद फिर राहुल गांधी, विपक्ष से चुनाव आयोग, ईवीएम मशीन और धांधलियों का रोना रोता मिलेगा। दिसंबर में जब संसद का सत्र शुरू होगा तो इन्हीं बातों के हंगामे में वह स्वाहा!

मतलब महाराष्ट्र, हरियाणा, झारखंड के चुनावों के बाद पक्ष–विपक्ष का जो राजनीतिक नजारा था वह ढर्रा जस का तल चलता रहेगा। मोदी सरकार–भाजपा भी 2026 के शुरू होते ही उत्तर प्रदेश, बंगाल, तमिलनाडु के आगामी विधानसभा चुनावों के लिए फिर वही ए टू जेड फॉर्मूलों (घोषणाओं, सरकारी खजाना खोल पैसा बांटने, जंगल राज, हिंदू–मुस्लिम, आतंकी धमाकों, विपक्ष को तोड़ने–बांटने आदि, आदि) के रोडमैप बनाने में जुटेगी।

बिहार के नतीजों के बाद अनुमान लगा सकते हैं कि विपक्ष के बिखरे वोटों की वजह से विरोधी पक्ष नतीजों को लेकर अविश्वास की गांठ बांधे रहने वाला है। मोदी–भाजपा विरोधी जितने भी वोट हैं वे बिहार के बाद और अधिक अविश्वास में चुनाव नतीजों पर गौर करेंगे। सरकार, चुनाव आयोग पर पहले की तरह ठीकरा फूटेगा।

यही भारत के लोकतंत्र में आधी से ज्यादा आबादी का अब स्थायी तौर पर पकता सियासी मनोभाव है। प्रधानमंत्री मोदी ने भी ठाना हुआ है कि जब से मैं (गुजरात से) जीत रहा हूं, मेरी स्वीकार्यता है तो साथ ही अस्वीकार्यता भी है। मुझे क्या फर्क पड़ रहा है? मेरे अपने अच्छे दिन है वही परम उपलब्धि है। भला लोकतंत्र, राजनीति और राष्ट्र–राज्य की सेहत के दिनों की क्या चिंता।

आरक्षण के लाभ से वंचित

पिछले साल दिए एक निर्णय में जस्टिस गवई ने कहा था कि अनुसूचित जाति–जनजातियों के क्रीमी लेयर को आरक्षण के लाभ से वंचित कर देना चाहिए। अब रिटायरमेंट से कुछ ही रोज पहले उन्होंने अपनी ये राय दोहराई है। प्रधान न्यायाधीश के जस्टिस बी.आर. गवई ने कहा है कि अनुसूचित जातियों के लिए आरक्षण के लाभ से क्रीमी लेयर को वंचित कर दिया जाना चाहिए। ये मांग पुरानी है, लेकिन अब यह दलील भारत के प्रधान न्यायाधीश ने दी है, जो खुद अनुसूचित जाति से आते हैं। इसलिए इस कथन का खास महत्त्व है। एक सेमीनार में जस्टिस गवई ने कहा– 'आरक्षण की सुविधा देते समय आईएएस अधिकारी के बाल–बच्चों को गरीब खेतिहर मजदूर की संतान के साथ समान धरातल पर नहीं रखा जा सकता। अतः जो सिद्धांत ओबीसी के मामले में लागू किया गया, उसे अनुसूचित जातियों के मामले में भी किया जाना चाहिए। पिछले साल दिए एक निर्णय में जस्टिस गवई ने कहा था कि राज्यों को अनुसूचित जाति– जनजातियों में क्रीमी लेयर की पहचान की नीति बनानी चाहिए और इन तबकों को आरक्षण के लाभ से वंचित कर देना चाहिए। अब प्रधान न्यायाधीश पद से रिटायरमेंट से कुछ ही रोज पहले उन्होंने अपनी ये राय एक सार्वजनिक भाषण में दोहराई है। आरक्षण समर्थक कुछ समूहों की तरफ से इस पर तीखी प्रतिक्रिया होगी, जैसाकि उपरोक्त न्यायिक निर्णय के समय हुआ था। कहा जाएगा कि आरक्षण गरीबी हटाने का जरिया नहीं, बल्कि यह निर्णय के सर्वोच्च स्तरों पर प्रतिनिधित्व का माध्यम है। इसलिए इसमें कोई आर्थिक पैमाना नहीं शामिल किया जा सकता। लेकिन आरक्षण नीति की अब तक जो यात्रा है, उसमें यह तर्क कमजोर पड़ चुका है।

प्रभास की द राजा साब का पहला गाना रिबेल जारी

प्रभास की बहुप्रतीक्षित फिल्म द राजा साब का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है। यह फिल्म इसी साल दिसंबर, 2025 में रिलीज होने वाली थी, लेकिन ऐन मौके पर तारीख को बदल दिया गया। लोगों के दिल और दिमाग पर द राजा साब का असर फीका न पड़े, इसके लिए निर्माताओं ने पहला गाना रिबेल जारी कर दिया है। यह गाना तमिल, मलयालम और कन्नड़ के अलावा हिंदी में भी रिलीज हुआ है, जिसे सचेत टंडन ने गाया है।

रिबेल गाने को हैदराबाद के विमल 70 एमएम थिएटर में जारी किया गया है, जिसमें प्रभास रंग–बिरंगे कपड़े पहने जबरदस्त डांस करते नजर आ रहे हैं। इस गाने लोग भी खूब पसंद कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, प्रभास को देखा। लंबे समय बाद डांस कर रहा हूं। दूसरे यूजर ने लिखा, आखिरकार 11 साल बाद डांसिंग सॉन्ग में प्रभास की वापसी। एक ने लिखा, फिदा हो गया। द राजा साब 9 जनवरी, 2026 को रिलीज हो रही है।

इस लिरिकल वीडियो में गाने की कई झलकियां शामिल हैं, जिनमें प्रभास अलग–अलग रंग के कपड़ों में नजर आ रहे हैं। प्रभास का यह चुलबुला अंदाज देखकर प्रशंसक काफी उत्साहित नजर आए, जिसका अंदाजा उनके जबरदस्त रिएक्शन्स से लगाया जा सकता है। इस गाने की लॉन्चिंग जहां शाम 6 बजे तय थी, वहीं गीत आखिरकार 9 बजे बड़े पर्दे पर चल पाया। प्रभास स्वयं कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके, लेकिन निर्देशक मारुति और क्रिएटिव प्रोड्यूसर स्क्ह मंच पर पहुंचे और देरी के पीछे की वजह बताते हुए फैंस से माफी मांगी।

मेरे भविष्य का फैसला अब बीसीसीआई को करना है, भारत की हार पर गौतम गंभीर का आया बड़ा बयान

नईदिल्ली, भारत के हेड कोच गौतम गंभीर ने बुधवार को कहा कि उनके भविष्य का फैसला करना भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) का काम है. बाएं हाथ के पूर्व भारतीय ओपनर का यह कमेंट तब आया जब भारत को अपने घर में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 0–2 से हार का सामना करना पड़ा है. गंभीर की कप्तानी में यह भारत की दूसरी हार थी, पहली हार 2024 में न्यूजीलैंड के खिलाफ हुई थी. लेकिन 2011 वनडे वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम के सदस्य गंभीर ने यह भी याद दिलाया कि, उनकी कप्तानी में भारतीय टीम ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 जीती थी और इंग्लैंड में इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज 2–2 से बराबर करने में कामयाब रही थी. ऋषभ पंत की कप्तानी में भारत गुवाहाटी में दूसरे टेस्ट में साउथ अफ्रीका से 408 रन से हार गया, जो रनों के मामले में उसकी सबसे बड़ी हार थी. भारत कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेला गया पहला टेस्ट हार गया था. गंभीर की कप्तानी में भारत 18 में से 10 टेस्ट हार चुका है, जिसमें पिछले साल न्यूजीलैंड और अब साउथ अफ्रीका के खिलाफ दो व्हाइटवॉश शामिल हैं.

गुवाहटी टेस्ट में हार के बाद अंक तालिका में पाकिस्तान से नीचे खिसका भारत

नईदिल्ली,दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम ने भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाफ दूसरे टेस्ट को 408 रन से जीत लिया। ये टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में रनों के लिहाज से भारत की सबसे बड़ी हार है। दक्षिण अफ्रीका ने 2 मैचों की सीरीज में 2–0 से अपने नाम की। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) की अंक तालिका में भारत अब पाकिस्तान क्रिकेट टीम से भी नीच खिसक गया है। ऐसे में आइए उनकी अंक तालिका पर एक नजर डालते हैं।

भारतीय टीम ने इस चक्र में कुल 9 टेस्ट खेले हैं, जिसमें से 4 में जीत दर्ज की है और 4 में हार झेली है। इसके अलावा 1 टेस्ट ड्रॉ रहा है। भारतीय टीम फिलहाल 48.15 प्रतिशत अंको के साथ तालिका में पांचवें स्थान पर पहुंच गई है। अंक तालिका में पाकिस्तान की टीम फिलहाल चौथे स्थान पर है। उसने इस चक्र में 2 टेस्ट मैच खेले हैं और उसे 1 में जीत और 1 में हार मिली है।

दक्षिण अफ्रीका ने इस चक्र में अब तक कुल 4 टेस्ट खेले हैं, जिसमें से 3 में जीत दर्ज की है और 1 में हार झेली है। टीम फिलहाल 75 प्रतिशत अंको के साथ तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। अंक तालिका में पहले स्थान पर ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम है। उसने इस चक्र में 4 मैच खेले हैं और उसे सभी मुकाबलों में जीत मिली है। उसके प्रतिशत अंक 100 हैं।

अब तक डब्ल्यूटीसी 2025–2027 में न्यूजीलैंड ने कोई टेस्ट नहीं खेला है। श्रीलंका की टीम ने 2 मैच खेले हैं। 1 में उसे जीत और 1 मुकाबला ड्रॉ रहा है। वह तीसरे स्थान पर है।

भूत पुलिस 2 से कटा सैफ अली खान और अर्जुन कपूर का पत्ता, निर्देशक भी बदला

बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान और अर्जुन कपूर की हॉरर–कॉमेडी फिल्म भूत पुलिस 2021 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में जैकलीन फर्नांडिस और यामी गौतम भी अहम किरदार में थीं। दर्शकों ने फिल्म को ठीक–ठाक प्रतिक्रिया दी थी। खबर है कि निर्माता इस फिल्म की दूसरी किस्त लाने की तैयारी कर रहे हैं, जिसने लोगों का उत्साह बढ़ा दिया है। हालांकि, दिलचस्प बात ये है कि दूसरी किस्त से पुराने चेहरों को बाहर कर दिया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, परियोजना से जुड़े सूत्रों ने बताया है कि निर्माता भूत पुलिस की दूसरी किस्त पर चुपचाप काम कर रहे हैं। फिल्म की कहानी लिखी जा रही है, साथ ही नई कास्टिंग की प्रक्रिया चल रही है। दरअसल निर्माता सीक्वल को और ज्यादा दिलचस्प बनाने के लिए नए कलाकारों के साथ फ्रैंचाइजी को बिल्कुल नए रास्ते पर ले जाना चाहते हैं। अब देखना होगा कि निर्माता किन कलाकारों पर दूसरी किस्त का जिम्मा सौंपेंगे।

बॉक्स ऑफिस पर तीसरे दिन मस्ती 4 ने दिखाया जादू, कमा डाले इतने करोड़

बॉलीवुड अभिनेता रितेश देशमुख, विवेक ओबेरॉय और आफताब शिवदसानी की फिल्म मस्ती 4 सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। पिछली तीनों किस्तों के ठीक–ठाक प्रदर्शन के बाद लोगों को चौथी किस्त से उम्मीदें दोगुनी थीं। हालांकि, रिलीज के पहले ही दिन लोगों पर इस एडल्ट कॉमेडी का असर बेअसर रहा। धीमी शुरुआत करने वाली मस्ती 4 के लिए वीकेंड कितना फायदेमंद साबित हुआ है, इसकी रिपोर्ट आ चुकी है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, मस्ती 4 ने रिलीज के पहले दिन 2.75 करोड़ रुपये के साथ शुरुआत की थी। रिलीज के दूसरे दिन यानी शनिवार को इसने आंकड़े को बरकर–ार रखा और 2.75 करोड़ फिर से कमाए। रिलीज के तीसरे दिन यानी रविवार को मामूली सी बढ़त के साथ मस्ती 4 ने बॉक्स ऑफिस पर 3 करोड़ रुपये का कारोबार किया है।

दक्षिण अफ्रीका ने दूसरा टेस्ट भी जीता, 25 साल बाद भारत में जीती टेस्ट सीरीज

नईदिल्ली,दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम ने दमदार प्रदर्शन करते हुए भारतीय क्रिकेट टीम को दूसरे टेस्ट में 408 रन से हरा दिया। इसी के साथ उसने सीरीज 2–0 से जीत ली है। साल 2000 के बाद यह पहला मौका है जब दक्षिण अफ्रीका ने भारतीय सरजमीं पर टेस्ट सीरीज जीती है। आखिरी बार उसे साल 2000 में 2–0 से जीत मिली थी। उस समय भारतीय टीम के कप्तान सचिन तेंदुलकर थे। आइए गुवाहाटी टेस्ट में बने रिकॉर्ड्स पर नजर डालते हैं। दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने का फैसला किया। उनका ये फैसला सही साबित हुआ और पहली पारी में उसने 489 रन बना दिए। सेनुरन मुथुसामी ने शानदार 109 रन की पारी खेली। मार्को यानसन ने 93 रन बनाए। जवाब में भारत की पारी 201 रन पर समाप्त हो गई। दक्षिण अफ्रीका ने अपनी दूसरी पारी 260/5 के स्कोर पर घोषित की और भारत को 549 रन का लक्ष्य दिया। भारत की दूसरी पारी 140 रन पर समाप्त हुई। पारी की हार को छोड़ दें तो ये टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में रनों के लिहाज से भारत की सबसे बड़ी हार है। इससे पहले साल 2004 में भारतीय टीम को 342 रन से ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम ने हराया था। साल 2006 में उसे पाकिस्तान क्रिकेट टीम के खिलाफ 341 रन से हार मिली थी। सूची में चौथे स्थान पर भी ऑस्ट्रेलिया ही है। उसने साल 2007 में भारतीय टीम को मेलबर्न के मैदान पर 337 रन से हराया था। टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी प्रोटियाज टीम को 201 रन के कुल स्कोर पर 5वां झटका लगा था। उसके बाद बल्लेबाजी के लिए आए मुथुसामी ने बड़े ही संयम के साथ बल्लेबाजी की और काइल वेरेने (45) के सात 7वें विकेट के लिए 88 रनों की अहम साझेदारी निभाई। उसके बाद उन्होंने यानसन के साथ 8वें विकेट के लिए 97 रनों की साझेदारी निभाई। मुथुसामी पारी में 206 गेंदों में 10 चौके और 2 छक्के लगाकर आउट हुए।

एक नजर

एक से 31 जनवरी तक जमा करवाएं राशि

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : गढ़वाल मोटर ट्रांसपोर्ट वर्कर्स यूनियन की मासिक बैठक में विभिन्न मुद्दों को लेकर चर्चा की गई। अध्यक्ष संदीप अग्रवाल की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में वक्ताओं ने कहा कि सभी चालक, परिचालक व खलासियों की सदस्यता शुल्क व बीमा राशि एक जनवरी से 31 जनवरी तक यूनियन कार्यालय में जमा हो जानी चाहिए। उन्होंने सभी सदस्यों से सदस्यता शुल्क व बीमा राशि निर्धारित समय पर जमा करवाने का आग्रह किया। कहा कि यूनियन हमेशा से ही चालक, परिचालक व खलासियों के हितों के लिए काम करती रहेगी। जिसके लिए सभी लोगों का सहयोगी जरूरी है। इस मौके पर यूनियन के समस्त पदाधिकारी मौजूद रहे।

संदिग्ध परिस्थितियों में व्यक्ति की मौत

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत दुर्गापुरी चौराहे के निकट एक व्यक्ति संदिग्ध अवस्था में बेसुध अवस्था में पड़ा हुआ मिला। जिसे पुलिस ने बेस चिकित्सालय पहुंचाया। जहां उपचार के दौरान व्यक्ति की मौत हो गई। उत्तर प्रदेश सुल्तानपुर निवासी दिनेश उपाध्याय सोमवार देर शाम को दुर्गापुरी में एक शादी समारोह में गया हुआ था। समारोह से लौटने के बाद वह दुर्गापुरी चौक के निकट एक नाले में गिर गया, रातभर वह बेसुध अवस्था में नाले में ही पड़ा रहा। मंगलवार की सुबह क्षेत्र के लोगों ने एक व्यक्ति के नाले में पड़े होने की सूचना पुलिस को दी, मौके पर पहुंची पुलिस ने व्यक्ति को बेसुध हालत में राजकीय बेस चिकित्सालय पहुंचाया। जहां पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

नवनियुक्त जिलाध्यक्ष नेगी का पौड़ी पहुंचने पर किया भव्य स्वागत

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : उत्तरांचल मेडिकल एंड पब्लिक हेल्थ मिनिस्ट्रियल एसोसिएशन के द्विवार्षिक अधिवेशन में संजय नेगी को प्रांतीय अध्यक्ष चुना गया। वर्तमान में प्रदेश कर्मचारी शिक्षक संगठन के जनपद अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाल रहे संजय नेगी के उत्तरांचल मेडिकल एंड पब्लिक हेल्थ मिनिस्ट्रियल एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद पौड़ी सीएमओ कार्यालय परिसर में पहुंचने पर उनका फूल मालाओं के साथ स्वागत किया। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष संजय नेगी ने कहा कि आईपीएचएस मानकों के अनुसार प्रदेश के हर जनपद में मिनिस्ट्रियल कार्मिकों के पदों की स्थापना, वर्तमान में रिक्त पड़े सभी पदों पर कार्मिकों की पदोन्नति के साथ ही विभिन्न जनपदों में कार्मिकों के लंबित कार्यों को समय से पूर्ण किया जाना उनकी प्राथमिकता में शामिल है।

बुधवार को आयोजित सम्मान समारोह में वक्ताओं ने कहा कि संजय नेगी विभिन्न संगठनों में मिली जिम्मेदारियों को निभाते हुए कर्मचारियों के हित में हमेशा खड़े रहते हैं, उनकी लगातार उनके हक की लड़ाई भी लड़ते हैं ऐसे में उन्हें चुनावी जीत के साथ उत्तरांचल मेडिकल एंड पब्लिक हेल्थ मिनिस्ट्रियल एसोसिएशन के प्रदेश नेतृत्व का दायित्व निभाने के लिए अब बड़ी जिम्मेदारी मिली है। इस दौरान सभी ने उनसे बेहतर तरीके से मिनिस्टीरियल कर्मचारियों की आवाज को उठाने की उम्मीद जताई। इस मौके पर मेडिकल पब्लिक हेल्थ एसोसिएशन के जनपद अध्यक्ष गणेश गौड, पर्वतीय कर्मचारी शिक्षक संगठन के उपाध्यक्ष पुष्कर सिंह, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी संघ के जनपद अध्यक्ष राजपाल बिष्ट, रेवती नंदन डंगवाल आदि शामिल रहे।

उपभोक्ताओं को दिलवाई 11 लाख की धनराशि

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जिले के उपभोक्ताओं को प्रभावी, पारदर्शी एवं त्वरित न्याय प्रदान करने की दिशा में जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग पौड़ी सक्रियता से शिकायतों का निस्तारण करने में जुटा है। आयोग के अध्यक्ष गगन कुमार गुप्ता द्वारा बीते अक्टूबर माह में द्वारा पारित आदेशों में उपभोक्ताओं को प्रतिफल, मानसिक क्षतिपूर्ति के रुप में लगभग 11 लाख की धनराशि मिली है। उपभोक्ता आयोग के वरिष्ठ सदस्य राकेश सामवेदी ने बताया कि अपने अधिकारों के प्रति जागरुक रहते हुए उपभोक्ता मिलावटी चीजों का वितरण, भ्रामक विज्ञापन, तय मूल्य से ज्यादा दाम वसूलना, नाप-तौल में अनियमितता, गारंटी के बाद भी सर्विस नहीं देना, कालाबाजारी, ऑनलाइन फ्रॉड, नकली सामान, गलत बिलिंग, बिना मानक चीजों को बेचना और अनुचित व्यापारिक व्यवहार जैसी समस्याओं के खिलाफ अपनी आवाज उठा सकते हैं। बताया कि उपभोक्ता अपने घर बैठे ऑनलाइन वेबसाइड या आयोग के पौड़ी कार्यालय के संपर्क नंबर-01368-221598 पर शिकायत दर्ज कर सकते हैं।

लोकतंत्र की रक्षा के लिए संविधान को मजबूत बनाने पर जोर

कोटद्वार में संविधान दिवस पर बाबा साहब भीमराव अंबेड़कर को याद करते संगठन के सदस्य

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : बुधवार को संविधान दिवस के मौके पर विभिन्न स्कूलों व संगठनों की ओर से कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान कांग्रेस ने लोकतंत्र की मजबूती के लिए संविधान को मजबूत बनाने पर जोर दिया। कहा कि संविधान लोकतंत्र की नींव है। इसकी रक्षा के लिए हम सभी को आगे आना होगा।

कांग्रेस कमेटी के कार्यालय में कार्यक्रम आयोजित किया गया। वक्ताओं ने कहा कि बाबा साहब ने देश को संविधान दिया। कहा कि 26 नवंबर 1949 को हमारी संविधान सभा ने संविधान को औपचारिक रूप से अंगीकार किया था। संविधान हमें न केवल हमारे मौलिक अधिकार देता है, बल्कि हमारे कर्तव्यों को भी याद दिलाता है। इस मौके पर कांग्रेस कमेटी कोटद्वार की अध्यक्ष मीना बछुवाण, संजय मित्तल, कार्यकारी अध्यक्ष प्रवीन रावत, सेवादल अध्यक्ष महावीर सिंह रावत, सुधा असवाल आदि मौजूद रहे। वहीं, शैलशिल्पी विकास संगठन की ओर से भी संविधान दिवस पर गोष्ठी का आयोजन किया गया। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष विकास कुमार आर्य ने कहा कि बाबा साहब ने भारत के महान संविधान का निर्माण कर आजाद भारत को लोकतांत्रिक स्वरूप प्रदान किया। कहा कि आज सबसे बड़ी आवश्यकता देश के संविधान को सुरक्षित रखने की है, अगर देश का संविधान कमजोर होगा तो निश्चित ही देश भी कमजोर होगा। इस मौके पर जयदेव सिंह, शिवकुमार, जोनी कुमार, सोमपाल सिंह, गिरीश चंद, तेजपाल सिंह, उमेश बेरवाल, अनिल कुमार, कैलाश कुमार आदि मौजूद रहे।

बेहतर कानून व्यवस्था के लिए चलाया सत्यापन अभियान

सत्यापन अभियान के दौरान श्रमिकों से पूछताछ करती पुलिस

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : पुलिस की ओर से शहर में चलाया जा रहा सत्यापन अभियान बुधवार को भी जारी रहा। इस दौरान पुलिस ने बिना सत्यापन कमरा किराए पर देने वाले पांच भवन स्वामियों के खिलाफ कार्रवाई की।

बुधवार को पुलिस ने नगर क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में पहुंचकर सत्यापन अभियान चलाया। इस दौरान दुकान व कमरा किराए पर लेने वालों के आधार कार्ड भी चेक किए गए। वरिष्ठ उपनिरीक्षक राजविक्रम सिंह ने बताया कि अभियान के दौरान आमजन से भी सहयोग की अपील की गई। कहा कि कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए जनता को पुलिस का सहयोग करना चाहिए। जनता से संदिग्ध व्यक्तियों की जानकारी तुरंत पुलिस को देने की अपील की गई। अभियान के दौरान आमजन को यातायात के प्रति भी जागरूक किया गया। लोगों से अपने नाबालिग बच्चों को वाहन न देने की अपील की गई। कहा कि दुर्घटनाओं को रोकने के लिए नियमों का पालन करना जरूरी है।

नवोदय विद्यालय में निर्माण व सुधार कार्यों को मिली मंजूरी

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : राजीव गांधी नवोदय विद्यालय संतूधार के सत्र 2025-26 हेतु विद्यालय प्रबंध समिति की बैठक बुधवार को जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया की अध्यक्षता में आयोजित हुई। जिला कार्यालय स्थित एनआईसी कक्ष में आयोजित बैठक में जिलाधिकारी ने विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में जिलाधिकारी ने विद्यालय की भौतिक सुविधाओं के उन्नयन पर विशेष जोर देते हुए निर्माणदायी संस्था आरईएस को मेस की मरम्मत, रंग-रोगन, छात्रावास सुधार सहित अन्य विकास एवं सुधारीकरण कार्यों हेतु 10.96 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत की। उन्होंने विद्यालय तक जाने वाली पेयजल लाइन की मरम्मत के लिए जल संस्थान द्वारा प्रस्तुत एस्टीमेट को भी मंजूरी प्रदान की। साथ ही परिसर में पेयजल लाइन की आंतरिक मरम्मत हेतु प्राचार्य मंगल सिंह चौहान को तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने मुख्य शिक्षाधिकारी नागेंद्र बर्तवाल को निर्देशित किया कि विद्युत मरम्मत से संबंधित आवश्यक कार्यवाही समयबद्ध रूप से सुनिश्चित की जाय। जिलाधिकारी ने बैठक में विद्यालय के आय-व्यय विवरण की जानकारी ली। उन्होंने मुख्य शिक्षाधिकारी को विद्यालय का त्वरित निरीक्षण कर आवश्यक सुधार एवं व्यवस्थाओं की समीक्षा करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने विद्यालय में पढ़ रहे छात्र-छात्राओं के स्वास्थ्य परीक्षण को प्राथमिकता देते हुए महीने में एक बार स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने और वाहन हेतु निदेशालय को प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने खेल गतिविधियों को प्रोत्साहन देने हेतु खेल मैदान के समतलीकरण के लिए कार्यदायी संस्था को कार्य योजना तैयार करने को कहा। वहीं विद्यार्थियों की सुविधा के लिए विद्यालय में इंटरनेट की व्यवस्था उपलब्ध कराने के निर्देश प्राचार्य को दिए।

ओपीडी की सभी जांच हो निःशुल्क

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : गर्वमेंट पेंशनर्स वेलफेयर आर्गेनाइजेशन ने गोल्डन कार्ड व आयुष्मान कार्ड पर चिकित्सालय की समस्त जांच निःशुल्क करवाने की मांग की है। कहा कि शासन-प्रशासन को इसके लिए गंभीरता से कार्य करना चाहिए।

समस्या को लेकर प्रतिनिधिमंडल ने प्रमुख अधीक्षक डा. विजय सिंह से वार्ता की। आर्गेनाइजेशन के अध्यक्ष जयवीर सिंह रावत ने कहा कि वर्तमान में राजकीय बेस चिकित्सालय में पेशनधारकों को गोल्डन कार्ड पर एक्सरे, अल्ट्रासाउंड, सीटी स्कैन, एमआरआई की निःशुल्क सुविधा उपलब्ध नहीं हो रही है। जिसके कारण पेशनधारकों को बिलों का नगद भुगतान करना पड़ता है। प्रमुख चिकित्साधीक्षक ने प्रतिनिधिमंडल का अवगत करवाया कि प्रशासन के नए दिशा निर्देशों के अनुसार अब गोल्डनकार्ड धारकों को सीटी स्कैन, एमआरआई का भुगतान प्रतिपूर्ति के रूप में वापस मिलेगा। पर्ची काउंटर में भी वरिष्ठ नागरिकों के लिए अलग से काउंटर की व्यवस्था की गई है। परामर्श शुल्क शल्य चिकित्सा व पैथोलाजी में रियायत दी जा रही है। इस मौके पर चंद्रप्रकाश नैथानी, वीरेंद्र सिंह रावत, श्याम प्रसाद कोटनाला, वृजमोहन ममगाई, भारत सिंह भंडारी मौजूद रहे।

जनता के हित में जरूरी है लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग : जोशी

कोटद्वार के चिलरखाल में मार्ग निर्माण के लिए धरना देते लोग

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : लालढांग-चिलरखाल मोटर मार्ग निर्माण को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करने वाले प्रेम चंद्र जोशी ने सरकार से जल्द से जल्द मार्ग निर्माण की मांग उठाई। कहा कि न्यायालय ने भी मार्ग निर्माण के लिए शिथिलता के आदेश दिए हैं। ऐसे में अब सरकार को गंभीरता से कार्य करते हुए मार्ग निर्माण पर ध्यान देना चाहिए।

बुधवार को लोगों ने चिल्लरखाल में धरना दिया। इसी दौरान प्रेम चंद्र जोशी ने भी मौके पर पहुंचकर धरने को अपना समर्थन दिया। कहा कि 17 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों की बेंच ने मार्ग निर्माण को लेकर शिथिलता के आदेश दिए। ऐसे में अब सरकार को मार्ग निर्माण के लिए गंभीरता से कार्य करना चाहिए। प्रधानमंत्री गति शक्ति योजना के तहत मार्ग का निर्माण करवाया जाना चाहिए। कहा कि मार्ग निर्माण से केवल कोटद्वार ही नहीं बल्कि पूरे उत्तराखंड का विकास होगा। हमें राजधानी देहरादून जाने के लिए उत्तर प्रदेश की सड़क से नहीं जाना पड़ेगा। हमारे पास स्वयं का एक मार्ग होगा। लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग रोजगार जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए भी मील का पत्थर साबित होगा। ऐसे में सरकार को जल्द से जल्द धरातल पर मार्ग निर्माण का कार्य प्रारंभ करना चाहिए। इस मौके पर प्रवीन थापा, रविंद्र सौंद, जगदीश मेहरा, सतीश सती, चंद्र प्रकाश सिंह, राकेश नेगी, देवेंद्र रावत, नरेश धस्माना, प्रकाश रावत, मदन सिंह नेगी, शशिकांत कुकरेती आदि मौजूद रहे।

पहाड़ में बढ़ती सड़क दुर्घटनाएं चिंता का विषय

बेस चिकित्सालय में घायलों का हालचाल पूछते पूर्व मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी।

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : पूर्व मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी ने बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं पर चिंता व्यक्त की है। कहा कि सड़क दुर्घटनाओं पर रोक लगाने के लिए पुलिस प्रशासन को सख्ती बरतनी चाहिए। कहा कि विगत कुछ दिनों से आए दिन सड़क दुर्घनाओं में बढ़ोत्तरी हुई है।

पूर्व मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी राजकीय बेस चिकित्सालय पहुंचे, जहां पर उन्होंने विगत दिन एक सड़क दुर्घटना में घायलों का हालचाल जाना। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने बेस चिकित्सालय के चिकित्सकों से भर्ती घायलों का सही ढंग से इलाज करवाने का आग्रह किया। पूर्व मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी ने कहा कि वर्तमान में अनियंत्रित वाहनों की चपेट में आने से दुर्घटनाएं बढ़ रही है। कहा कि आए दिन कोटद्वार में भी वाहन दुर्घटनाओं में बढ़ोत्तरी हो रही है। दो दिन पहले ही कोटद्वार दुगड्डा के मध्य एक ट्रक खाई में गिर जाने से चालक की मौत हो गई थी। जिसके बाद विगत दिन एक जिप्सी ने ई-रिक्शा पर टक्कर मार दी, जिससे चालक सहित चार लोग घायल हो गए। कहा कि कई बार नाबालिक बच्चे भी वाहन चलाते हुए देखे जाते है। कहा कि पुलिस प्रशासन को नियमित रूप से वाहन चैकिंग अभियान चलाना चाहिए। ताकि सड़क दुर्घटनाओं पर रोक लग सके।

प्रशासन के आश्वासन पर खोला आक्रोशित ग्रामीणों ने जाम

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : गढ़वाल वन प्रभाग की पौड़ी नागदेव रेंज के डोभाल ढांढरी में गुलदार को मारने के आदेश जारी नहीं होने से आक्रोशित ग्रामीणों ने बुधवार को पौड़ी-श्रीनगर हाईवे पर जाम लगा दिया। जिससे दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। इस दौरान मौके पर पहुंची जिला प्रशासन की टीम को भी ग्रामीणों के गुस्से का सामना करना पड़ा। आक्रोशित ग्रामीणों ने करीब 1 घंटे तक हाईवे जाम रखा। प्रशासन के 24 घंटे के भीतर गुलदार को मारने के आदेश जारी करने के आश्वासन के बाद ग्रामीणों ने जाम खोला।

आक्रोशित ग्रामीणों ने बुधवार को गडोली के पास हाईवे पर जाम लगा दिया। जाम लगने की सूचना मिलते ही एसडीएम, रेंजर, पुलिस बल मौके पर पहुंचा।

टीम ने ग्रामीणों को काफी समझाया, लेकिन आक्रोशित ग्रामीण गुलदार को मारने व गुलदार को शेडयूल वन की श्रेणी से हटाने और गुलदार को मारने की मांग पर अडे रहे। इस मौके पर आक्रोशित ग्रामीणों ने कहा कि वन विभाग ने गुलदार को ट्रैंक्युलाइज करने के आदेश जारी किए हैं, लेकिन ट्रैक्युलाइज टीम कहीं नजर नहीं आ रही है। प्रशासन के अफसरों ने 24 घंटे के भीतर गुलदार को मारने के आदेश जारी होने और क्षेत्र में पर्याप्त मात्रा में टीम तैनात करने के आश्वासन दिया तब जाकर ग्रामीण माने।

इस मौके पर कांग्रेस नेता राजपाल बिष्ट, विनोद दनोशी, गौरव चंदोला, अर्चना रौथाण, मोहित सिंह, पुष्पा देवी, पूजा देवी, रमेश रावत, प्रवीन असवाल, गौरव चंदोला, सरस्वती देवी, संगीता देवी, तेजपाल रावत आदि मौजूद रहे।

ग्राम प्रधानों ने ली पद एवं गोपनीयता की शपथ

प्रखंड रिखणीखाल के सभागार में शपथ ग्रहण करते ग्राम प्रधान।

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : रिखणीखाल में 61 ग्राम सभाओं के प्रधानों ने पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। इस दौरान प्रधानों ने अपने क्षेत्र के बेहतर विकास के लिए कार्य करने की भी बात कही।

रिखणीखाल के ब्लॉक सभागार में शपथ ग्रहण समारोह हुआ। खंड विकास अधिकारी देवेश पंत व एडीओ पंचायत सुनील कोटनाला ने नवनिर्वाचित ग्राम प्रधानों को उनके दायित्वों की शपथ दिलाई। खंड विकास अधिकारी देवेश पंत ने कहा कि वर्तमान में प्रखंड में 81 ग्राम सभाएं है, चुनाव के बाद अधिकांश ग्राम सभाओं में कोरम पूरा न होने से ग्राम प्रधान शपथ नहीं ले पाए, जिनमें से मात्र 11 ग्रामसभाओं के ग्राम प्रधानों को ही शपथ दिलाई गई थी। कहा कि 63 ग्राम प्रधानों को शपथ दिलाई गई है, बाकी बचे हुए 7 ग्राम सभाओं के ग्राम प्रधानों को बाद में शपथ दिलाई जाएगी।

महाविद्यालय छात्रसंघ कार्यालय का हुआ शुभारंभ

कोटद्वार महाविद्यालय में छात्रसंघ कार्यालय के शुभारंभ पर हवन करते छात्रसंघ पदाधिकारी व अन्य

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार में छात्रसंघ कार्यालय का शुभारंभ हो गया है। इस दौरान पदाधिकारियों ने छात्र हितों को लेकर कार्य करने का संकल्प लिया।

महाविद्यालय में हवन के साथ छात्रसंघ कार्यालय का शुभारंभ हुआ। इस दौरान देव भूमि उत्कर्ष सेवा समिति, कोटद्वार के संयोजक राम भरोसा कंडवाल ने विद्यार्थियों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। महाविद्यालय में छात्रसंघ राजनीति की पहली सीढ़ी है। यह सीढ़ी संसद तक पहुंचती है। इसलिए युवाओं को राजनीति के माध्यम से जनता की सेवा करनी चाहिए। समाज में रहने वाले हर जरूरतमंद व्यक्ति की आवाज को बुलंद करना चाहिए। युवा ही आने वाले कल के राष्ट्र निर्माता हैं। अच्छे संस्कारों और उत्कृष्ट संस्कृति में पले–बढ़े युवा ही देश को सुख, समृद्धि और प्रगति के पथ पर ले जा सकते हैं। आचार्य राकेश लखेड़ा ने भी युवाओं को माता-पिता एवं गुरुजनों का सम्मान करने की प्रेरणा दी। इस मौके पर छात्र संघ अध्यक्ष विकास कुमार, महासचिव अनुराग कंडवाल, कोषाध्यक्ष भूमिका जोशी, उपाध्यक्ष आयुष चमोली, अपूर्व रावत, अंजली रावत, ऋषभ बुड़ाकोटी, अंकित, शिवानी, बीरेंद्र रावत आदि मौजूद रहे।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, पाबौ

E-Mail ID-eecdpwdpaboo@gmail.com. eecdpab.pwduk@gov.in

पत्रांकः- 1821/12ए0सी0 दिनांक 26/11/2025

निविदा सूचना

महामहिम राज्यपाल महोदय, उत्तराखण्ड की ओर से अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड लो0नि0वि0 पाबौ द्वारा निम्नलिखित कार्यों की शील्ड निविदा दिनांक 09.12.2025 को आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 29.11.2025 से 08.12.2025 किसी भी कार्य दिवस में निम्न कार्यालयों से प्राप्त किये जा सकते हैं तथा दिनांक 09.12.2025 अपरान्ह 3:00 बजे तक इन्हीं कार्यालयों में डाली जा सकती हैं। निविदा दिनांक 10.12.2025 को अपरान्ह 3:30 बजे उपस्थित निविदादाताओं अथवा उनके द्वारा अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जायेगी।

निविदा विक्रय एवं प्राप्त करने वाले कार्यालयो के नाम :-

1. कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, 12वां वृत्त लो0नि0वि0, पौड़ी। 2. कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, नि0ख0 लो0नि0वि0, पाबौ। 3. कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, नि0ख0 लो0नि0वि0, पौड़ी। 4. कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, अ0ख0 लो0नि0वि0, कीर्तिनगर।

क्र0 सं0	कार्य का विवरण	धरोहर धनराशि	निविदा का मूल्य	निविदा की वैधता	कार्य पूर्ण करने का समय	ठेकेदार की श्रेणी।
1	केन्द्रीय सड़क अवसंरचना निधि के अन्तर्गत जनपद पौड़ी गढ़वाल के विधानसभा क्षेत्र चौबटाखाल के विकासखण्ड एकेश्वर में मरचूला-सराईखेत-बैजरो पोखडा सतपुली मोटर मार्ग में सुदृढ़ीकरण एवं सुधारीकरण का आर्य एवं सड़क सुरक्षा के अन्तर्गत क्रैश बैरियर, डेलीनेटर एवं रैगुलेट्री इन्फोरमेटरी बोर्ड आदि का कार्य के अन्तर्गत कि0मी0 155 से 170 में क्रैश बैरियर में प्रीज्मैटिक रैट्री रिफलैक्टर लगाने का कार्य। (आकस्मिक मद में)	34000.00	1500+ 18% GST	90 दिन	2 माह	डी एवं उच्चतर मार्ग कार्य में पंजीकृत

1- निविदा प्रपत्र के साथ वांछित धरोहर धनराशि एन0एस0सी0, डाकघर बचत बैंक पास बुक अथवा भारत में किसी अनुसूचित बैंक की जमा रसीद के रूप में, जो अद्योहस्ताक्षरी के पदनाम से बंधक हो, लगाना आवश्यक है।

2- निविदा प्रपत्र के साथ 100.00 रू0 का स्टाम्प पेपर एवं रू0 1.00 का हस्ताक्षर युक्त रसीदी टिकट हो, वैधता की शर्तों के साथ लगाना अनिवार्य है, इसके बिना निविदा पर विचार नहीं किया गया जायेगा।

3- निविदा की शर्ते जी0पी0डब्लू0 9 निविदा प्रपत्र एम0एफ0 69/70 एवं शासनादेश संख्या 2611/111(2)07-75 सा0 दिनांक 26.10.2007 के अनुसार होगी, निविदा की अन्य शर्तें/नियम निविदा प्रपत्र प्राप्त कर देखी जा सकती है।

नोटः- निविदा प्रपत्र क्रय करते समय ठेकेदारों को पंजीकरण प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा।

अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड,
लो0नि0वि0 पाबौ

संक्षिप्त समाचार

वाहन स्वामी मोबाइल नंबर अपडेट कर विभागीय सूचनाओं का लाभ लें

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : वाहन स्वामियों को राहत मिली है। समय से न सूचनाएं मिलने से परेशान वाहन स्वामियों को अब समय पर सूचनाएं मिल सकेंगी। परिवहन विभाग की अधिकांश सेवाएं ऑनलाइन माध्यम से उपलब्ध है। इन सेवाओं का लाभ लेने के लिए आरसी में वाहन स्वामी का सही मोबाइल नंबर का होना जरूरी है। संभागीय परिवहन अधिकारी ने वाहन स्वामियों से अपील की कि वे समय पर मोबाइल नंबर अपडेट कर विभागीय सूचनाओं का लाभ लें। संभागीय परिवहन अधिकारी द्वारिका प्रसाद ने बताया कि प्रदेशभर में पंजीयन प्रमाण पत्र (आरसी) में मोबाइल नंबर अपडेट न होने के चलते वाहन स्वामियों को कई महत्वपूर्ण सूचनाएं समय पर प्राप्त नहीं हो पा रही हैं। बताया कि परिवहन विभाग की अधिकांश सेवाएं ऑनलाइन माध्यम से उपलब्ध हैं, जिनका लाभ उठाने के लिए आरसी में मोबाइल नंबर का सही होना आवश्यक है। बताया कि धारा 136-ए मोटरयान अधिनियम के तहत चालान, लाइसेंस, परमिट सहित अन्य सूचनाएं अब सीधे मोबाइल नंबर पर भेजी जाती हैं। ऐसे में वाहन स्वामी स्वयं अपने मोबाइल नंबर को ऑनलाइन अपडेट कर सकते हैं। इसके लिए पोर्टल पर उपलब्ध दो विकल्पों का उपयोग किया जा सकता है। पहले तरीके में आरसी व आधार में दर्ज स्वामी/पिता का नाम एक समान होने पर मोबाइल नंबर सीधे अपडेट किया जा सकता है। बताया कि दूसरा तरीका यह है कि नाम में अंतर होने की स्थिति में आवश्यक दस्तावेज अपलोड कर कार्यालय से अनुमोदन प्राप्त कर नंबर अपडेट किया जा सकता है।

लोगों में गुलदार की दहशत

श्रीनगर गढ़वाल : खिर्सू ब्लॉक के कोटी गांव में गुलदार के हमले में बुजुर्ग महिला की मौत और नयालगढ़ में क्षत-विक्षत शरीर मिलने के बाद से ग्रामीण डर के साये में अपनी दिनचर्या निर्वहन कर रहे हैं। वन विभाग के अनुसार प्रभावित क्षेत्रों में लगाए गए पिंजरों में गुलदार की चहलकदमी तो नजर आ रही है, लेकिन गुलदार पिंजरे में कैद नहीं हो पाया है। विभाग के अनुसार पंद्रह लोगों की दो टीम दस कैमरे व ट्रेंकुलाइज के साथ शूटर तैनात किया गया है। टीम द्वारा सभी जगहों पर गश्त की जा रही है। स्कूली बच्चों के आने-जाने और महिलाओं के कामकाज देखते हुए वन विभाग की टीम मौके पर साथ जा रही है। वन क्षेत्राधिकारी श्रीनगर दिनेश चंद्र नौटियाल ने बताया कि सर्दियों के समय गुलदार चकमा देकर चहलकदमी कर रहा है। जहां भी लोगों द्वारा गुलदार की सूचना मिल रही है, वहां वन विभाग की टीम गश्त कर रही है। बताया कि पौड़ी जनपद के प्रभावित क्षेत्रों में गुलदार पिंजरे व कैमरा में नजर तो आया है, लेकिन पिंजरे में कैद नहीं हो पाया है। उन्होंने आम जनता से सुबह और शाम अकेली जगहों पर फालतू न जाने की अपील की है। (एजेंसी)

पंकज सिंह करेगें गढ़वाल विवि का प्रतिनिधित्व

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग के बीपीएड तृतीय सेमेस्टर के छात्र पंकज सिंह रेलकोटिया राष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2025 में 57 किलोग्राम भार वर्ग बॉक्सिंग प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करेंगे। यह प्रतियोगिता 1 से 5 दिसंबर 2025 तक भरतपुर राजस्थान में आयोजित की जा रही है। खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स का स्पोर्ट्स आथॉरिटी ऑफ इंडिया और एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज के संयुक्त तत्वावधान में 5वां संस्करण आयोजित किया जा रहा है, जिसमें देशभर के प्रमुख विश्वविद्यालयों से प्रतिभाशाली खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। 57 किलोग्राम भार वर्ग में इस बार कुल 8 राष्ट्रीय स्तर के प्रतिभागी शामिल होंगे, जो सीधे क्वार्टर फाइनल में मुकाबला करेंगे। प्रतियोगिता में चयनित होने पर गढ़वाल विवि के कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश सिंह, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. ओपी गुसाईं, मोहित सिंह बिष्ट ने पंकज को शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। (एजेंसी)

15 कैडिटों ने किया रक्तदान

श्रीनगर गढ़वाल : गढ़वाल विवि के एनसीसी के 15 कैडिटों ने बुधवार को बेस हॉस्पिटल श्रीकोट में रक्तदान किया। रक्तदान शिविर में एनओ डॉ सुरेंद्र सिंह कुंवर ने बताया कि एनसीसी अपना 78वां स्थापना दिवस मना रहा है,जिसका उद्देश्य युवाओं में अनुशासन एवं राष्ट्रभक्ति की भावना को बढ़ावा दिया जाता है।बताया कि 15 युवाओं की ओर से जरूरतमंदों के लिए रक्त को एकत्र किया गया। इस मौके पर धनवीर सिंह, नितिन,रितिका, सोहित सिंह, निधि, प्रिया डांगवाल, सिया रावत, जयवर्धन पोखरियाल, रोनक आदि अन्य उपस्थित रहे। (एजेंसी)

वन्यजीव प्रभावित पंचायतों में बुश कटर खरीदने और नाइट विजन ड्रोन की व्यवस्था करें

गुलदार, बाघ व भालू के हमलों पर प्रभावी नियंत्रण हेतु हॉटस्पॉट चिन्हित कर विशेष रणनीति बनाएं, जंगली जानवरों की बढ़ती सक्रियता पर जिलाधिकारी की समीक्षा बैठक

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जनपद में गुलदार एवं बाघ सहित अन्य जंगली जानवरों की सक्रियता को देखते हुए जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया की अध्यक्षता में वन विभाग, समस्त उपजिलाधिकारी और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गयी। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि जिन क्षेत्रों में घटनाएं अधिक हो रही हैं, वहां वन विभाग नियमित गश्त सुनिश्चित करें तथा प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा उपाय और प्रभावी बनाए जाएं।

बैठक में गुलदार/बाघ प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति, जंगली जानवरों के हमलों से पीड़ितों को मुआवजा वितरण, जागरुकता कार्यक्रमों की प्रगति तथा पिछले तीन वर्षों के आँकड़ों पर विस्तृत चर्चा हुई। गुलदार के हमलों को कम करने के लिए जिलाधिकारी ने एसडीओ को ऐसे स्थान चिन्हित करने के निर्देश दिए जहां जंगली जानवरों का खतरा अधिक रहता है। उन्होंने कहा कि पंचायती राज विभाग द्वारा बुशकटर खरीदे जाएं, ताकि कार्य तेजी से संपन्न हो सके। जिलाधिकारी ने सिविल सोयम क्षेत्र में सर्वे कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हॉटस्पॉट को मैप्स पर चिन्हित कर स्थानीय स्तर पर शेयर किया जाय। उन्होंने नाइट विजन ड्रोन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने एनिमल टैगिंग, प्रचार-प्रसार को महत्वपूर्ण बताया तथा सर्वे हेतु शोधार्थियों, उपकरणों आदि की सहमति प्रदान की।

कृषि क्षेत्रों में बंदरों से होने वाली समस्याओं पर जिलाधिकारी ने कृषि विभाग को वन विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर पायलट प्रोजेक्ट संचालित करने को कहा। उन्होंने कृषि अधिकारी को 10 दिन के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने डीएफओ से गुलदार, बाघ एवं भालू के हमलों को

कम करने हेतु किए जा रहे प्रयासों की जानकारी भी ली। उन्होंने वन विभाग को सिविल क्षेत्रों का सर्वे कर स्थिति का अद्यतन आंकलन करने के निर्देश दिए। साथ ही पुलिस विभाग को बेहतर निशानेबाजी करने वाले पुलिस कर्मियों की सूची उपलब्ध कराने और वन विभाग को सक्षम कार्मिक चिन्हित करने को कहा, ताकि आवश्यकता पड़ने पर त्वरित कार्रवाई की जा सके। उन्होंने बताया कि आपात स्थिति में ग्राम प्रहरी भी वन विभाग के साथ सहयोग करेंगे, वहीं गुलदार प्रभावित क्षेत्रों में पीआरडी जवानों की गश्त को बढ़ाने हेतु डीएफओ को प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने भी कहा कि जहां वन्य जीवों की सक्रियता अधिक है ऐसे 20 गांवों को पहले चिन्हित किया जाएगा। साथ ही किसी एक्सपर्ट संस्था से इन क्षेत्रों का सर्वे भी कराया जायेगा।

इस अवसर पर डीएफओ गढ़वाल अभिमन्यु सिंह, डीएफओ सिविल एवं सोयम पवन नेगी, संयुक्त मजिस्ट्रेट दीक्षिता जोशी, सीओ पुलिस तुषार बोरा, एसडीओ वन लक्की शाह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

महिलाएं चारापत्ती लेने रिफ्लेक्टिंग जैकेट पहनकर एक साथ जाएं

डीएफओ लैंसडाउन जीवन मोहन दगाड़े ने फॉक्स लाइट, सोलर लाइट, बायो फेंसिंग आदि की जानकारी दी। उन्होंने वन्यजीवों के लिए फोकल पॉइंट बनाने तथा अन्य सावधानी बरतने पर बल दिया। साथ ही डीएफओ कालागढ़ तरुण श्रीधर ने टास्क फोर्स बनाने, बायोचार द्वारा झाड़ियों के समाधान पर बल दिया। इन पर संज्ञान लेते हुए जिलाधिकारी ने वन्यजीव प्रभावित गांवों का माइक्रोप्लान बनाने, गांवों को चिन्हित कर पायलट प्रोजेक्ट पर कार्य योजना बनाने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने कहा कि महिलाएं चारा पत्ती लेने रिफ्लेक्टिंग जैकेट पहनकर एक साथ जाएं। बैठक में डीएफओ ने बताया कि गुलदार, भालू सहित जंगली जानवरों के हमलों से बचाव हेतु प्रशिक्षण व जागरूकता कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। वन कर्मियों को हथियार प्रशिक्षण दिया जा रहा है तथा विद्यालयों के विद्यार्थियों को भी जागरूक किया जा रहा है।

पूर्व कैबिनेट मंत्री दिवाकर भट्ट को दी श्रद्धांजलि

जयन्त प्रतिनिधि।

सतपुली : उत्तराखंड आंदोलन के पुरोधा व फील्ड मार्शल के नाम से प्रसिद्ध पूर्व कैबिनेट मंत्री दिवाकर भट्ट के निधन पर राज्य आंदोलनकारियों ने शोक व्यक्त करते हुए उनके निधन को उत्तराखण्ड के लिए अपूर्णीय क्षति बताया।

उत्तराखंड राज्य निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाने वाले दिवाकर भट्ट के निधन पर बुधवार को यहां सतपुली में राज्य आंदोलनकारियों और व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने दो मिनट का मौन रख कर श्रद्धांजलि अर्पित की। कहा कि उत्तराखंड की लड़ाई के लिए सदैव उनके बलिदान को आंदोलनकारी और उत्तराखंड की जनता हमेशा याद रखेगी। श्रद्धांजलि देने वालों में चिन्हित उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी न्यारघाटी समिति के अध्यक्ष पुष्पेंद्र राणा, जगदीश बिष्ट, विनोद धस्माना, होशियार सिंह बिष्ट, व्यापार संघ सतपुली अध्यक्ष जयदीप नेगी शामिल थे।

संविधान दिवस पर राष्ट्र की एकता व अखंडता बनाए रखने की ली शपथ

जयन्त प्रतिनिधि।

सतपुली : बुधवार को संविधान दिवस पर थाना सतपुली, हंस चिल्ड्रंस एकेडमी इंटर कॉलेज सतपुली में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सतपुली थाने में आयोजित कार्यक्रम में थानाध्यक्ष जगमोहन रमोला ने पुलिस कर्मियों को राष्ट्र की एकता व अखंडता बनाए रखने की शपथ दिलाई। उन्होंने संविधान दिवस के महत्व के बारे में बताया गया। उन्होंने कहा कि संविधान हमारे भविष्य का दर्पण है।

संविधान दिवस के अवसर पर हंस चिल्ड्रंस एकेडमी इंटर कॉलेज सतपुली में विधिक शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में पीएलबी पुष्पेंद्र राणा ने छात्र-छात्राओं को संविधान के अधिकार,

मूल कर्तव्य एवं बाल अपराध संबंधित जानकारी दी। इस अवसर पर थानाध्यक्ष सतपुली जगमोहन रमोला छात्रों को उनके अधिकारी, नशा, साइबर क्राइम, सड़क सुरक्षा के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर प्रधानाध्यापिका श्रीमती अंजलि बिजल्वाण, कमलेश बिजल्वाड़, शिक्षक रिचा मिश्रा, एसआई रियाज अहमद, एसआई सोहनलाल, पुलिसकर्मी संजय पाल सिंह नेगी, संदीप कुमार, दीवान राकेश बिष्ट, त्रिलोक सिंह चौहान आदि मौजूद रहे।

रेफरल मॉनिटरिंग समिति की प्रथम बैठक में जिलाधिकारी ने दिए कड़े निर्देश

अल्मोड़ा। रेफरल प्रकरणों की समीक्षा के लिए गठित रेफरल मॉनिटरिंग समिति की प्रथम बैठक बुधवार को जिलाधिकारी अंशुल सिंह की अध्यक्षता में जिला कार्यालय में आयोजित हुई। बैठक में जनपद के विभिन्न चिकित्सालयों से भेजे गए सभी रेफरल मामलों की विस्तृत समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग और संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक रेफरल प्रकरण का नियमानुसार समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने जोर दिया कि गंभीर मरीजों को समय पर उपयुक्त उपचार उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसलिए विभागों के बीच मजबूत समन्वय आवश्यक है। उन्होंने यह भी कहा कि उपलब्ध संसाधनों का शत–प्रतिशत उपयोग सुनिश्चित किया जाए और हर रेफरल मामले में मरीज या उसके परिजनों का फोन नंबर अवश्य दर्ज हो, ताकि उपचार संबंधी अपडेट समय–समय पर दी जा सके। जिलाधिकारी ने 108 एम्बुलेंस सेवा और अस्पतालों के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करने के निर्देश देते हुए कहा कि मरीजों को समय पर एम्बुलेंस उपलब्ध कराना अनिवार्य है।

संविधान दिवस पर मेधावी छात्रों को किया सम्मानित

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : जयहरीखाल ब्लॉक के राजकीय प्राथमिक विद्यालय मेरुड़ा में संविधान दिवस बड़े हर्षोल्लास से मनाया गया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम बंकिम चंद्र चटर्जी द्वारा रचित राष्ट्रगीत वंदे मातरम का गायन किया गया। तत्पश्चात भारतीय संविधान की उद्देशिका पढ़ी गई।

इस अवसर पर भारत नामधेय भरत महोत्सव 2025 में आयोजित प्राथमिक वर्ग की संस्कृत श्लोक वाचन प्रतियोगिता में विद्यालय के छात्र कार्तिक भारद्वाज को प्रथम, छात्रा प्रियांशी को द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर मुख्य अतिथि अनुसूया प्रसाद जदली, ग्राम प्रधान मेरूड़ा श्रीमती सुनीता देवी जदली, पूर्व प्रधान दीनदयाल जदली ने सम्मानित किया। इस मौके पर प्रधानाध्यापक राजीव थपलियाल, सहायक अध्यापिका श्रीमती ज्योति बौंठियाल, विद्यालय प्रबंधन समिति

अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद, आंगनबाड़ी कार्यकत्री श्रीमती अंजू देवी, आंगनवाड़ी सहायिका श्रीमती सरोजनी देवी, लक्ष्मी ध्यानी, नेहा लक्ष्मी जदली, शान्ति देवी, अनीता देवी भारद्वाज, सतेश्वरी देवी, अनीता धस्माना, करण भारद्वाज, आरती जदली, सुनीता घिल्डियाल, सुषमा जखमोला, कृष्णा प्रसाद जखमोला, शाकंबरी देवी, राजेंद्र भारद्वाज, पिंकी देवी, विनोद कुमार भारद्वाज, दिनेश चंद्र घिल्डियाल, कमल किशोर जदली आदि मौजूद थे।

राष्ट्र की एकता व अखंडता बनाए रखने की ली शपथ

जयन्त प्रतिनिधि।

थलीसैंण : बुधवार को संविधान दिवस पर राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, थलीसैंण में प्राध्यापकों, कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं ने राष्ट्र की एकता व अखंडता बनाए रखने की शपथ ली। प्रभारी प्राचार्य डॉ. छाया सिंह ने 76वें संविधान दिवस के महत्व के बारे में बताया। डॉ. जूली ने वन्दे मातरम् गीत के उद्देश्य के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह गीत भारत माँ के प्रति एकता, देशभक्ति और सम्मान की भावना को जगाता है, जो स्वतंत्रता संग्राम में एक प्रेरणा का गीत बना। कार्यक्रम का संचालन करते हुए कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विवेक रावत ने कहा कि वन्दे मातरम् गीत एकता, राष्ट्रवाद, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक का प्रतीक है।

विकासखंड कल्जीखाल क्षेत्र के

अंतर्गत घंडियाल स्थित सरस्वती विद्या मंदिर घंडियाल विद्यालय में पीएलवी जगमोहन डांगी द्वारा छात्र-छात्राओं को संविधान दिवस पर भारतीय संविधान की शपथ दिलाई गई। उन्होंने कहा कि संविधान में आम नागरिकों को अपने मौलिक अधिकारों की जानकारी सबको होनी चाहिए। उन्होंने छात्रों को निःशुल्क विधिक सेवाओं की जानकारी दी। इस मौके पर इन दिनों क्षेत्र में जंगली जानवरों में भालू और गुलदार की बढ़ती सक्रियता को देखते हुए विद्यालय के प्रधानाचार्य संदीप रावत की अध्यक्षता में प्रबंधक समिति के अध्यक्ष धीरेन्द्र सिंह रावत के साथ जंगली जानवरों से छात्र-छात्राओं की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चर्चा की गई। अभिभावकों को अपने बच्चों को विद्यालय छोड़ने और लाने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि जब तक अभिभावक अपने बच्चों को लेने विद्यालय नहीं आ जाते उन्हें अकेले जाने नहीं दिया जाए, क्योंकि इन दिनों विद्यालय के नजदीक दो गुलदार सक्रिय है। क्षेत्र पंचायत सदस्य श्रीमती अंजू रावत ने कहा कि यदि वन विभाग कोई कार्यवाही नहीं करेगा तो क्षेत्रीय जनता जिलाधिकारी पौड़ी से वार्ता करने जाएगी।

काण्डई प्रीमियर लीग सीजन-04 शुरू

जयन्त प्रतिनिधि। थलीसैंण : थलीसैंण ब्लाक के चौथान पट्टी के काण्डई गांव में क्रिकेट टूर्नामेंट काण्डई प्रीमियर लीग सीजन-04 (केपीएल) ऐतिहासिक धामदेव स्टेडियम शुरु हो गया है। लीग का शुभांरभ मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य अंजलि जोशी ने किया। पहले दिन दो मैच खेले गये। पहला मुकाबला बिनसर क्लब देवराडी और मनु मोबाईल नागचुलाखाल के मध्य खेला गया, जिसमें मनु मोबाईल नागचुलाखाल ने 7 रन से जीत दर्ज की। इस वर्ष टूर्नामेंट में पौड़ी, अल्मोड़ा और चमोली जिले के 32 टीमें प्रतिभाग कर रही है। टूर्नामेंट में प्रथम पुरुस्कार 51000 रूपये और 15 गोल्ड मेडल एवं द्वितीय पुरस्कार 25000 रूपये और 15 सिल्वर मेडल हैं।

कर्मचारी नैतिक मूल्यों, संवेदनशीलता और जवाबदेही को प्राथमिकता दें

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जिला मुख्यालय में संविधान दिवस पर अधिकारियों, कर्मचारियों, छात्र-छात्राओं ने संविधान की शपथ ली। बुधवार को आयोजित संविधान दिवस कार्यक्रम में डीएम स्वाति भदौरिया ने संविधान की महत्ता और उसकी मूल भावना की विस्तार से जानकारी प्रदान की। कहा कि भारतीय संविधान केवल शासन व्यवस्था का आधार नहीं, बल्कि भारत की विविधता, एकता, समानता और न्याय के प्रति हमारी सामूहिक आस्था का प्रतीक है। डीएम ने कहा कि संविधान में निहित मूल कर्तव्यों का पालन करना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी कर्मचारियों को अपने दैनिक कार्य में नैतिक मूल्यों, संवेदनशीलता और जवाबदेही को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का संदेश दिया। उन्होंने अधिकारियों से आग्रह किया कि वे अपने अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों का भी पूर्ण निष्ठा एवं ईमानदारी से पालन करें, ताकि शासन की सभी योजनाएं और सेवाएं पारदर्शी, समयबद्ध और जनहितकारी रूप में जनता तक पहुंच सकें। ब्लॉक प्रमुख पौड़ी अस्मिता नेगी व मुख्य शिक्षा अधिकारी पौड़ी नागेंद्र बर्त्वाल ने पीएमश्री जीजीआइसी पौड़ी में आयोजित संविधान दिवस कार्यक्रम में शिरकत की। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् के सामूहिक गायन से हुआ। इसके पश्चात छात्र-छात्राओं को संविधान के महत्व, उसकी प्रस्तावना, मौलिक अधिकारों एवं मौलिक कर्तव्यों की विस्तृत जानकारी दी गई। ब्लॉक प्रमुख अस्मिता नेगी ने छात्रों व शिक्षकों को संविधान की शपथ दिलाई। इस दौरान सभी ने संविधान के प्रति निष्ठा रखते हुए अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन करने तथा देश की एकता, अखंडता और सामाजिक सौहार्द बनाए रखने का संकल्प लिया। मुख्य शिक्षा अधिकारी बर्त्वाल ने बताया कि देश में प्रत्येक वर्ष 26 नवम्बर को संविधान दिवस मनाया जाता है।

अतिक्रमण हटाने में ढिलाई पर वेतन रोकने और निलम्बन की चेतावनी: डीएम बंसल

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बंसल ने ऋषिपर्णा सभागार में आयोजित पाँचवीं अन्तर्विभागीय समीक्षा बैठक में सरकारी परिसम्पत्तियों को अतिक्रमणमुक्त करने की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि सरकारी भूमि, भवन, मार्ग, नहर, कार्यालय परिसर अथवा अन्य परिसम्पत्तियों पर अवैध अतिक्रमण को समयबद्ध रूप से हटाना विभागीय अधिकारियों की जिम्मेदारी है।

डीएम ने चेतावनी दी कि निर्धारित समयसीमा में कार्रवाई न होने पर सम्बन्धित अधिकारियों का वेतन रोका जाएगा, निलम्बन किया जाएगा और सेवा बाधित की जाएगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री एवं शासन स्तर पर अतिक्रमण हटाने की समीक्षा की जा रही है, इसलिए प्रत्येक विभाग को अपनी प्रगति समयसीमा के भीतर सुनिश्चित करनी होगी।

बैठक में निर्देश दिए गए कि जिन विभागों की भूमि पर कोई अतिक्रमण नहीं है, वे प्रमाण पत्र प्रस्तुत करें और गूगल शीट पर अपडेट करें। ईओ हरबर्टपुर को विशेष रूप से चेतावनी दी गई कि यदि दो दिन में चिन्हित अतिक्रमण नहीं हटाया गया तो निलम्बन की कार्रवाई होगी। डीएम ने अधिकारियों को फटकार लगाते हुए कहा कि केवल चिट्ठीबाजी से काम नहीं चलेगा, धरातल पर वास्तविक कार्रवाई दिखनी चाहिए। जिलाधिकारी ने कहा कि अतिक्रमण न केवल सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में बाधा उत्पन्न करता है, बल्कि सार्वजनिक सुविधा और कानून–व्यवस्था पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालता है। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक विभाग अपनी परिसम्पत्तियों का अद्यतन विवरण और अतिक्रमण की स्थिति रिपोर्ट दो दिन में प्रस्तुत करे।

आठ ग्राम स्मैक के साथ नशा तस्कर गिरफ्तार

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : श्रीनगर पुलिस ने नशा तस्कर को आठ ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया है। स्मैक कीमत दो लाख चालीस हजार रूपये बताई जा रही है। तस्कर रामपुर से श्रीनगर में स्मैक सप्लाई करने के लिए लाया था। पुलिस ने अभियुक्त के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। अभियुक्त को न्यायालय में पेश किया जा रहा है। पुलिस अभियुक्त के आपराधिक इतिहास की जानकारी ले रही है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी सर्वेश पंवार द्वारा जनपद में नशे, मादक पदार्थों एवं ड्रग्स की अवैध बिक्री पर प्रभावी अंकुश लगाने, अपराधों की रोकथाम हेतु पूरे जनपद में सघन चैकिंग अभियान चलाने के सख्त निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में बुधवार को क्षेत्राधिकारी श्रीनगर अनुज कुमार के पर्यवेक्षण, प्रभारी

निरीक्षक कोतवाली श्रीनगर जयपाल सिंह नेगी के नेतृत्व में सीआईयू एवं थाना श्रीनगर पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा थाना क्षेत्रान्तर्गत चैकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान पुलिस टीम ने एक संदिग्ध युवक सिद्धांत रावत निवासी कोठड़, श्रीनगर को रोककर तलाशी ली। तलाशी के दौरान युवक के पास से 08 ग्राम स्मैक बरामद हुई। जिस पर पुलिस टीम ने युवक को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में अभियुक्त ने बताया कि वह स्मैक रामपुर, उत्तर प्रदेश से लाया था और इसे श्रीनगर में बिक्री का इरादा था। पुलिस टीम में महिला उपनिरीक्षक भावना भट्ट, अपर उपनिरीक्षक निजाम अली, हेड कांस्टेबल मनोज बमसुवाल, कांस्टेबल मुकेश आर्य, हेड कांस्टेबल सीआईयू हरीश सिंह, सोयब अहमद, अर्जुन आदि शामिल थे।

भालू के हमले में व्यक्ति गंभीर, हायर सेंटर रेफर

रूद्रप्रयाग : जंगली जानवरों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। जंगली जानवर अभी तक कई लोगों को निवाला बना चुके है। जिले में भालू और गुलदार के लगातार हमलों से लोग दहशत में है। जनपद के कोट मल्ला में बुधवार सुबह गांव के एक व्यक्ति को भालू ने हमला कर बुरी तरह जख्मी कर दिया। ग्रामीण घायल को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय लाए, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे हायर सेंटर रेफर किया गया।

जानकारी के अनुसार बुधवार सुबह 6:30 बजे 55 वर्षीय भरत सिंह पुत्र उदय सिंह गांव से कुछ दूर पानी खोलने जा रहा था कि इसी बीच उस पर भालू ने हमला कर दिया। काफी देर तक वह भालू से संघर्ष करता रहा। जबकि वह जान बचाने के लिए पेड़ में चढ़ा तो भालू पीछा करता रहा और उसके पैर को बुरी

तरह जख्मी कर दिया। हिम्मती भरत ने भालू से काफी संघर्ष करने के बाद उसे भगाने में कामयाबी पाई। जबकि अपने परिवार और ग्रामीणों को फोन कर घटना की सूचना दी, जिसके बाद गांव के लोग मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों की मदद से घायल व्यक्ति को जिला चिकित्सालय लाया गया जहां उसका प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रैफर किया गया। पर्यावरणविद जगत सिंह जंगली ने बताया कि उक्त व्यक्ति गांव में पानी की व्यवस्था भी देखता है, इसलिए वह पानी खोलने जा रहा था कि इस बीच घटना हो गई। जिला चिकित्सालय में डॉ. मनीष ने बताया कि भालू द्वारा घालय व्यक्ति का एक पैर बुरी तरह खराब किया गया है, जिसे उच्चकोटि के उपचार की जरूरत है, इसलिए रैफर किया गया। इधर, उप प्रभागीय वनाधिकारी देवेंद्र पुंडीर ने बताया कि घायल को उचित मुआवजा दिया जाएगा। जबकि ग्रामीणों को जागरूक करने के लिए टीम क्षेत्र में भेजी जाएगी। (एजेंसी)

कांग्रेसियों ने भाजपा नेता के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई

श्रीनगर गढ़वाल : जिला कांग्रेस कमेटी देवप्रयाग ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल के खिलाफ अनर्गल बयानबाजी करने पर भाजपा नेता सहित भाजपा उत्तराखण्ड आईटी सेल के खिलाफ प्राथमिकता दर्ज करवाई है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष उत्तम सिंह असवाल के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने कीर्तिनगर कोतवाली पहुंचकर थानाध्यक्ष को ज्ञापन प्रेषित किया। उन्होंने कहा कि बीते 21 नवम्बर को वन विभाग मुख्यालय देहरादून में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं द्वारा राज्य में वन्यजीव व मानव संघर्ष से हो रही जनहानि को लेकर एक धरना प्रदर्शन किया गया था। जहां अपने संबोधन में प्रदेश अध्यक्ष द्वारा सांकेतिक तौर पर प्लास्टिक खिलौने की गन का उपयोग कर जनभावना को प्रदर्शित कर रहे थे। वहीं भाजपा आईटी सेल के पूर्व अध्यक्ष शेखर वर्मा द्वारा पूर्वाग्रह से ग्रसित होकर प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल को विभिन्न आतंकवादी संगठनों के प्रमुख के रूप में सोशल मीडिया में दुष्प्रचारित कर उनकी छवि को धूमिल करने की कोशिश की गई। जिलाध्यक्ष उत्तम सिंह असवाल ने कहा कि यह कृत्य न केवल आईटी अधिनियम, मानहानि, कानून तथा फेक न्यूज, दुष्प्रचार से विधिक धाराओं का उल्लंघन है, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों और स्वस्थ राजनीतिक वातावरण के विरूद्ध भी है। कांग्रेसियों ने आपराधिक कृत्य के खिलाफ आरोपियों पर कार्रवाई करते हुए प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराने की मांग की है।

जयन्त

संस्थापक

स्व.नरेन्द्र उनियाल

प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी

नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित

—सम्पादक

नागेन्द्र उनियाल

आर.एन.आई. 35469/79

फोन/फैक्स 01382–222383

मो. 8445596074, 9412081969

e-mail: nagendra.uniyal@gmail.com